सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 15 अक्टूबर, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 47, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

इन आँधियों के गाँव में
तूफ़ान कौन है
तू देख तो ये कौन है
पहचान कौन है
ये किसके द्वार पे खड़ा
ज़िंदा दरख़्त है
इन पत्थरों के शहर में
इंसान कौन है
ये किस तरह का शोर है
पिछले मकान में
इस वक्त आधी रात
परेशान कौन है
अब क्यूँ खड़ी हैं औरतें
सूनी रसोई में
इन मुफ़्लिसों के घर में
ये मेहमान कौन है
ये बारिशें जो खा गयीं
उम्मीद-ओ-बातियाँ
इन बारिशों को देख के
हैरान कौन है
लेकर ख़ुदा का नाम
जो इक बे-कुसूर को
शैतान कह रहा है ये
शैतान कौन है।

– नकुल कुमार

प्रसंगवश

जेडीयू का भविष्य भी तय करेगा बिहार विधानसभा चुनाव

सीटू तिवारी

नवंबर 2005 में सत्ता संभालने के बाद ये पहला मौका है जब जेडीयू सीट बंटवारे में 'बड़े भाई' की भूमिका में नहीं रही। साल 2020 में एनडीए गठबंधन में जेडीयू ने 115 सीटों पर जबकि बीजेपी ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन 2025 विधानसभा चुनावों में सीट शेयरिंग फ़ॉर्मूले के मुताबिक़, जेडीयू और बीजेपी दोनों ही 101-101 सीट पर चुनाव लड़ेंगी। 12 अक्टूबर को हुई घोषणा के मुताबिक़, एनडीए गठबंधन में लोजपा (रामविलास) 29 सीटों पर, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ेंगी।

बीते दो दशकों से 'बड़े भाई' का स्टेटस इंजॉय कर रहे जेडीयू कार्यकर्ताओं के लिए ये बड़ा झटका है। विधानसभा चुनाव लड़ चुके जेडीयू के एक नेता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहते हैं, 'बड़े भाई-छोटे भाई की तो रहने ही दीजिए। अभी तो सबसे बड़ा सवाल ये है कि जेडीयू बचेगा या नहीं?'

ज़ाहिर तौर पर इसमें जेडीयू का नेतृत्व, नीतीश कुमार की सेहत का सवाल भी जुड़ता है। सवाल ये भी है कि लोजपा (आर) या चिराग पासवान इतनी सारी सीटें अपने पाले में करने में कैसे सफल रहे? जबकि एनडीए खेमे में एक और दलित नेता यानी जीतन राम मांझी की 'हम' को बीते विधानसभा चुनाव से भी एक सीट कम मिली। इस बार वो 6 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

12 अक्टूबर को सीट शेयरिंग का फ़ॉर्मूला जब एनडीए नेताओं ने अपने सोशल अकाउंट्स पर शेयर किया तो संशय से भरे जेडीयू कार्यकर्ताओं को निराशा ने घेर लिया। दरअसल इस साल की शुरुआत में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद से ही जेडीयू नेता बार-बार कह रहे थे कि वो विधानसभा चुनाव ज़्यादा सीटों पर लड़ेंगे। फ़रवरी में हुए इस विस्तार में सभी मंत्री बीजेपी कोटे से आते थे। ये पहला मौका था जब एनडीए सरकार में बीजेपी के मंत्रियों की संख्या जेडीयू से डेढ़ गुना ज़्यादा हो गई थी। उस वक्त ख़ुद को तसल्ली के लिए जेडीयू के प्रवक्ता बार-बार दोहराते थे कि पार्टी विधानसभा चुनावों में बीजेपी से ज़्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, चाहे एक ही सीट ज़्यादा क्यों न हो।

दो दशकों से बिहार की राजनीति की धुरी रही जेडीयू के 'बड़े भाई' का स्टेटस दरअसल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान ही संकट में आ गया था। इस लोकसभा चुनाव में पार्टी 16 सीटों पर लड़ी थी जबकि बीजेपी 17 सीटों पर।

साल 2020 में विधानसभा चुनाव में जेडीयू 115 सीटों पर लड़ी जबकि बीजेपी 110 सीटों पर। इस चुनाव में जेडीयू तीसरे नंबर पर चली गई थी, इसके बावजूद नीतीश कुमार ही बिहार के मुख्यमंत्री बनें।

एनडीए में सीट शेयरिंग का फ़ॉर्मूला घोषित होने से पहले लोजपा (आर) प्रमुख चिराग पासवान तल्ख़ तेवर अपनाए हुए थे। सीट शेयरिंग के वक्त उनसे बातचीत करने का ज़िम्मा केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय को सौंपा गया था। 2024 के लोकसभा चुनाव में चिराग ने अपने हिस्से में आई पांचों सीट जीती थी और वो इस हिसाब से 30 सीट चाहते थे। यानी प्रति लोकसभा छह सीट। चिराग अपनी मांग मनवाने में कामयाब रहे। उन्हें 29 सीट मिली है।

वरिष्ठ पत्रकार रवि उपाध्याय कहते हैं, 'चिराग की पार्टी का संरचनात्मक ढांचा देखें तो उसमें ब्राह्मण से लेकर मुस्लिम तक ज़िम्मेदार पदों पर हैं। पहले तो उनको पासवानों का नेता मानना ग़लत है। दूसरे, पूरे एनडीए में चिराग जैसे कद का कोई युवा नेता नहीं है। ऐसे में बीजेपी एक ऐसे नेता को अपने साथ रखना चाहती है जो 2025 और 2030 के बाद भी उसके साथ रहे। यही वजह है कि बीजेपी चिराग पर निवेश कर रही है और उस पर दांव लगा रही है। ये भी ख़बरें आती रहती है कि चिराग पर बीजेपी ये दबाव बनाती रहती है कि वो अपनी पार्टी लोजपा (आर) का विलय बीजेपी में कर लें। लेकिन चिराग इससे लगातार इनकार करते रहे हैं।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज़ के पूर्व प्रोफ़ेसर पुष्पेन्द्र के अनुसार 'चिराग को बीते विधानसभा चुनाव में जेडीयू को तीसरे नंबर की पार्टी बनाने का इनाम मिला है। चिराग पासवान की ख़ुद की ताक़त नहीं है, ये पिछले विधानसभा चुनाव में साबित हो चुका है, जब उनका सिर्फ़ एक उम्मीदवार जीता था। लेकिन चिराग जब एनडीए से मिलते हैं तो वो ताकतवर बन जाते हैं। चिराग की ताकत अभी बढ़ी हुई है लेकिन भविष्य में उनके स्वतंत्र अस्तित्व को ख़तरा हो सकता है क्योंकि बीजेपी का ये इतिहास रहा है कि वो अपनी सहयोगी पार्टियों को ख़त्म कर देती है जैसे अभी बिहार में जेडीयू ख़त्म हो रही है।'

बता दें कि बीते विधानसभा चुनाव में जेडीयू के तीसरे नंबर की पार्टी बनने की वजह चिराग पासवान ही थे। विश्लेषक पुष्पेन्द्र कहते हैं, 'जेडीयू के कार्यकर्ता निराश हैं और नेता भी अब अपना अपना रास्ता तलाश रहे हैं। क्योंकि नीतीश कुमार की अब सुनी नहीं जा रही है। जो भी बीजेपी कर रही है जेडीयू उसे स्वीकार कर रही है। और इसके मजबूत संकेत मंत्रिमंडल विस्तार में ही दिखने शुरू हो गए थे जब बीजेपी ने जेडीयू के वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश की थी। यानी अतिपिछड़ों और कुर्मी कोइरी को अपने कोटे से मंत्री बनाकर।'

सीट शेयरिंग की घोषणा के बाद एनडीए गठबंधन में कहीं जोश तो कहीं कसक नज़र आ रही है। बीजेपी जहां इस फ़ॉर्मूले से खुश है और 'सौहार्द्रपूर्ण माहौल' में तय हुआ बता रही है, वहीं लोजपा (आर) सीट शेयरिंग में मिले हिस्से से खुश है। जेडीयू में एक बड़ा हिस्सा हताश है, लेकिन पार्टी प्रवक्ता नीरज कुमार ने एक बयान जारी कर कहा, 'महागठबंधन को दरार दिख रही थी लेकिन हमारे एनडीए में तो नीतीश जी की निपुणता और मोदी जी के नेतृत्व में बेहतर सामंजस्य है। तेजस्वी तो राहुल गांधी के पॉलिटिकल ड्राइवर बन गए हैं। एनडीए में 6-6 सीट पाने वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी नाराज़ हैं। जीतनराम मांझी ने सीट बंटवारे के बाद पत्रकारों से कहा, 'एनडीए का फ़ैसला हम मान रहे है लेकिन हमको सिर्फ़ 6 सीट देने से एनडीए को ही नुक़सान होगा।'

वहीं उपेंद्र कुशवाहा ने भी सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करके सीट बंटवारे से अपनी नाराज़गी ज़ाहिर की है। इधर महागठबंधन के लिए भी सीट शेयरिंग की राह आसान नहीं दिख रही। दो दशक तक नीतीश कुमार के इर्द गिर्द अपना भविष्य बुनने वाले जेडीयू की राजनीतिक शक्ति भी ये चुनाव तय करेगा।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

भाजपा ने की 71 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी

दोनों डिप्टी सीएम समेत 12 मंत्री लड़ेंगे चुनाव

● 48 विधायक रिपीट, विधानसभा अध्यक्ष का टिकट कटा ● दानापुर से लड़ेंगे रामकृपाल यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव के लिए भाजपा ने मंगलवार को 71 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को तारापुर से, विजय सिन्हा को लखीसराय से टिकट दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काटा गया है। नंदकिशोर 5 बार से पटना सिटी से जीतते आ रहे हैं। उनकी जगह पर बीजेपी नेता और हाईकोर्ट के वकील रत्नेश कुशवाहा को उतारा है।

कुम्हरार से 5 बार के विधायक अरुण कुमार सिन्हा का भी टिकट कटा है। इनकी जगह संजय गुप्ता को मौका मिला है। संजय पार्टी में प्रदेश महामंत्री भी रह चुके हैं। लिस्ट में 12 मंत्रियों और 9 महिलाओं के भी नाम हैं। पार्टी ने 48 विधायकों को रिपीट किया है। इस बार भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 71 के नाम सामने आ गए हैं। अब 30 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान बाकी है। बिहार में 6 और 11 नवंबर को वोटिंग होगी। रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा।

बड़े चेहरे फिर मैदान में..

बीजेपी ने दोनों डिप्टी सीएम के साथ 12 मंत्रियों को मैदान में उतारा है। मंत्री मंगल पांडे, नीतीश मिश्रा, नीरज कुमार बबलू, जीवेश मिश्रा, राजू सिंह, कृष्ण कुमार मंटू, सुरेंद्र मेहता, डॉ. सुनील कुमार, संजय सरावगी, डॉ. प्रेम कुमार को भी टिकट दिया गया है।

बिहार चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा जारी पहली कैंडिडेट लिस्ट

विस सीट	बीजेपी प्रत्याशी	विस सीट	बीजेपी प्रत्याशी	विस सीट	बीजेपी प्रत्याशी	विस सीट	बीजेपी प्रत्याशी
बेतिया	रेणु देवी	सीतामढ़ी	सुनील कुमार पिंटू	सिकटी	विजय कुमार मंडल	दरभंगा	संजय सरावगी
रक्सौल	प्रमोद कुमार सिन्हा	बेनीपट्टी	विनोद नारायण झा	किशनगंज	स्वीटी सिंह	केवटी	मुरारी मोहन झा
पिपरा	श्याम बाबू प्रसाद यादव	खजौली	अरुण शंकर प्रसाद	बनमनखी	कृष्ण कुमार ऋषि	जाले	जिबेश कुमार मिश्रा
मधुबन	राणा रणधीर सिंह	बिस्फी	हरभूषण ठाकुर बघौल	पूर्णिया	विजय कुमार खेमका	औराई	रमा निषाद
मोतिहारी	प्रमोद कुमार	राजनगर	सुजीत कुमार पासवान	कटिहार	तारकिशोर प्रसाद	कुढ़नी	केदार प्रसाद गुप्ता
ढाका	पवन जायसवाल	झंझारपुर	नीतीश मिश्रा	प्राणपुर	निशा सिंह	बरूराज	अरुण कुमार सिंह
रीगा	वैद्यनाथ प्रसाद	छातापुर	नीरज कुमार बब्लू	कोढ़ा	कविता देवी	साहेबगंज	राजू कुमार सिंह
बथनाहा	अनिल कुमार राम	नरपतगंज	देवंती यादव	सहरसा	आलोक रंजन झा	बैकुंठपुर	मिथिलेश तिवारी
परिहार	गायत्री देवी	फारबिसगंज	विद्या सागर केसरी	गौरा बौराम	सुजीत कुमार सिंह	सीवान	मंगल पांडे

विस सीट	बीजेपी प्रत्याशी
दरौंदा	कर्णजीत सिंह
गोरियाकोठी	देवेश कांत सिंह
तरैया	जनक सिंह
अमनौर	कृष्ण कुमार मंटू
हाजीपुर	अवधेश सिंह
लालगंज	संजय कुमार सिंह
पातेपुर	लखेंद्र कुमार रोशन
मोहिउद्दीन नगर	राजेश कुमार सिंह
बछवारा	सुरेंद्र मेहता
तेघरा	रजनीश कुमार
बेगूसराय	कुंदन कुमार
भागलपुर	रोहित पांडेय
बांका	राम नारायण मंडल
कटोरिया	पूरन कुमार टुडू
तारापुर	सम्राट चौधरी
मुंगेर	कुमार प्रणय
लखीसराय	विजय कुमार सिन्हा
बिहारशरीफ	डॉ. सुनील कुमार
दीघा	संजीव चौरसिया
बांकीपुर	नितिन नबीन
कुम्हरार	संजय गुप्ता
पटना साहिब	रत्नेश कुशवाहा
दानापुर	रामकृपाल यादव
बिक्रम	सिद्धार्थ गौरव
बरहड़ा	राघवेंद्र प्रताप सिंह
आरा	संजय सिंह टाइगर
तरारी	विशाल प्रशांत
अरवल	मनोज शर्मा
औरंगाबाद	त्रिविक्रम सिंह
गुरुआ	उपेंद्र दांगी
गया शहर	प्रेम कुमार
वजीरगंज	बीरेंद्र सिंह
हिसुआ	अनिल सिंह
वारसलीगंज	अरुणा देवी
जमुई	श्रेयसी सिंह

गायिका मैथिली ठाकुर बीजेपी में शामिल

पटना (एजेंसी)। लोकप्रिय लोक गायिका मैथिली ठाकुर पटना स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गई। उनके साथ कई अन्य लोगों ने भी बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। बीते कुछ दिनों से उनके राजनीति में आने की खबरें थीं, जिस पर अब मुहर लग गई है।

कांग्रेस बोली- एनडीए जोड़-तोड़, माथा फोड़ गठबंधन

पटना (एजेंसी)। एनडीए में सीट शेयरिंग की घोषणा के बाद मचे बवाल के बीच कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि बिहार की हमारी जो सामाजिक और राजनीतिक संस्कृति है, उससे उलट एनडीए के सभी गठबंधन दल का आचरण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद ने लिए महत्वपूर्ण निर्णय

कोदो और कुटकी के रेट तय, राज्य के पेंशनर्स को मिली बड़ी सौगात, सोयाबीन के लिए भावांतर को मंजूरी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रमुख कोदो-कुटकी उत्पादक जिलों के कृषकों से पहली बार कोदो-कुटकी उपार्जन का किये जाने का निर्णय लिया, जिससे अधिक से अधिक जनजातीय कृषकों को फायदा होगा। इस के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रमुख कोदो-कुटकी उत्पादक जिलों जबलपुर, कटनी, मण्डला, डिंडोरी, छिंदवाडा, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी एवं सिंगरौली के कृषकों से कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। साथ ही अन्य जिलों से मांग आने पर उन जिले के कृषकों से भी उपार्जन किये जाने पर विचार किया जायेगा।

श्रीअन्न उत्पादक जिलों के कृषकों से श्रीअन्न कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (श्रीअन्न फेडरेशन) द्वारा कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। खरीफ 2025 में उत्पादित श्रीअन्न कुटकी

3500 रूपये प्रति क्विंटल एवं कोदो 2500 रुपये प्रति क्विंटल के मान से लगभग 30 हजार मेट्रिक टन का उपार्जन किया जायेगा। इसके लिए श्रीअन्न फेडरेशन को 80 करोड़ रूपये का ब्याज मुक्त ऋण शासन के मूल्य स्थिरीकरण कोष से प्रदाय किया जायेगा। इसके अतिरिक्त कृषको को प्रोत्साहन राशि के रूप में 1000 रुपये प्रति क्विंटल के मान से संबंधित कृषकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रदाय किये जायेंगे।

सोयाबीन किसानों के लिए भावांतर योजना की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा खरीफ वर्ष 2025 में प्रदेश के सोयाबीन के किसानों को लाभांवित किये जाने के लिए भारत सरकार की प्राईज डिफिसिट पेमेन्ट स्कीम लागू की गयी है, जो प्रदेश में भावांतर योजना कहलायेगी। प्रदेश में सोयाबीन भावांतर योजनांतर्गत 24 अक्टूबर, 2025 से 15 जनवरी, 2026 तक सोयाबीन का विक्रय, राज्य की अधिसूचित मंडियों में किया जायेगा। प्रदेश की मंडियों में 14 दिवस के सोयाबीन के विक्रय मूल्य के Weighted औसत के आधार पर सोयाबीन के मॉडल रेट की गणना की जायेगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य से विक्रय दर/मॉडल रेट अंतर की राशि पंजीकृत कृषकों के पोर्टल पर दर्ज बैंक खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से अंतरित की जायेगी। एम.एस.पी 5238 रूपये है।

मंत्रि-परिषद द्वारा भारत सरकार की सिल्क समग्र-2 योजना को 25 प्रतिशत राज्यांश के साथ, राज्य में रेशम समृद्धि योजना के रूप में क्रियान्वयन की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। योजना अंतर्गत हितग्राहियों को रेशम उत्पादन संबंधी 23 गतिविधियों में सहायता प्राप्त होगी, जिसमें सामान्य वर्ग के हितग्राही को इकाई लागत की 75 प्रतिशत और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 90 प्रतिशत आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी।

भारत में 1.33 लाख करोड़ निवेश करेगी गूगल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने मंगलवार (14 अक्टूबर) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। इस बातचीत के दौरान पिचाई ने पीएम मोदी को बताया कि उनकी कंपनी अगले पांच साल में भारत में 15 बिलियन डॉलर यानी लगभग 1.33 लाख करोड़ रुपए निवेश करेगी। इस बात की जानकारी पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर दी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c | न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 15 अक्टूबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

दिल्ली-एनसीआर की हवा फिर हुई 'खराब'

सीएक्यूएम ने राजधानी में लागू कीं जीआरएपी के पहले चरण की पाबंदियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता फिर से बिगड़ने लगी है। मंगलवार को शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 211 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की उप-समिति ने आपात बैठक कर ग्रेडेड रिस्पॉन्स ऐक्शन प्लान (जीआरएपी) के पहले चरण (स्टेज1) को तुरंत प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया है।

इसके साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करें और निजी वाहन प्रयोग से बचें। साथ ही धूल फैलाने वाली गतिविधियों से परहेज करें।

इसके अलावा पेट्रोल के पुराने और डीजल वाहनों (बीएस-III पेट्रोल और बीएस-IV डीजल) के संचालन पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। साथ ही निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) गतिविधियों में धूल शमन उपायों और सीएंडडी कचरे के ठोस पर्यावरण प्रबंधन पर निर्देशों का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। इसमें 500 वर्ग मीटर के बराबर या उससे अधिक के भूखंड आकार वाली ऐसी परियोजनाओं के संबंध में सीएंडडी गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी, जो संबंधित के वेबपोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं।

डंप स्थलों से नगर पालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू), निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट और खतरनाक कचरे का नियमित उठाव सुनिश्चित करना होगा। कोई भी कचरा अवैध रूप से खुले क्षेत्रों में डंप नहीं किया जाएगा। वहीं, सड़कों पर समय-समय पर मशीन से सफाई और पानी का छिड़काव करना होगा। सीएंडडी सामग्री और अपशिष्ट को परिसर में उचित रूप से कवर किया जाएगा। वाहनों के लिए पीयूसी मानदंडों की कड़ी निगरानी करनी होगी। डीजल जनरेटर सेट का उपयोग बिजली आपूर्ति के नियमित स्रोत के रूप में नहीं किया जा सकता है।

इन चीजों का रखें ध्यान

● वाहनों के इंजन को ठीक से ट्यून करके रखें। ● वाहनों के टायर का उचित दबाव बनाए रखें। ● वाहन का पीयूसी प्रमाणपत्र साथ रखें। ● लाल बत्ती पर इंजन बंद कर दें। ● वाहन के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हाइब्रिड वाहनों या ईवी को प्राथमिकता दें। ● खुले स्थानों पर कूड़ा-कचरा न फैलाएं व निस्तारित न करें। ● 311 एप, ग्रीन दिल्ली एप, समीर एप आदि के माध्यम से वायु प्रदूषणकारी गतिविधियों की रिपोर्ट करें। ● अधिक से अधिक पौधे लगाएं। ● त्योहारों को पर्यावरण अनुकूल तरीके से मनाएं व पटाखों से बचें। ● 10-15 वर्ष पुराने डीजल व पेट्रोल वाहन न चलाएं।

जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर चलती बस में लगी भीषण आग

● 10-12 लोगों के जिंदा जलने की आशंका, खिड़कियां तोड़ कूदे लोग

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में जैसलमेर-जोधपुर हाईवे मंगलवार दोपहर 3.30 बजे चलती एसी स्लीपर बस में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। बचने के लिए लोग चलती बस से कूद गए।

हादसे में 3 बच्चों, 4 महिलाओं समेत 16 लोग झुलस गए। झुलसे यात्रियों को तीन एंबुलेंस से जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल लेकर गए। जहां से सभी को जोधपुर रेफर कर दिया। अधिकांश यात्री 70 प्रतिशत तक झुलसे हैं। बस में 57 लोग सवार थे। नगर परिषद के असिस्टेंट फायर ऑफिसर कृष्णपाल सिंह राठौड़ ने हादसे में 10-12 लोगों की जलने से मौत होने की आशंका है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हादसा जैसलमेर के थईयात गांव के पास हुआ। आग की लपटें और धुआं काफी ऊंचाई तक उठता रहा। बस रोजाना की तरह दोपहर करीब 3 बजे जैसलमेर से जोधपुर के लिए रवाना हुई थी।

वसंत राशिनकर स्मृति अ. भा. समारोह में मराठी काव्य प्रतिभा का सम्मान

इंदौर। शहर की प्रतिष्ठित संस्था आपले वाचनालय के संस्थापक संस्कृति पुरुष वसंत राशिनकर की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले अ. भा. सम्मान समारोह का गरिमापूर्ण आयोजन आपले वाचनालय सभागृह में सम्पन्न हुआ ।

कार्यक्रम के अतिथिद्वय संस्कृतिकर्मी संजय पटेल और मराठी साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक अश्विन खरे ने आपले वाचनालय को संस्कृति संवर्धन और संरक्षण का अद्वितीय केंद्र निरुपित करते हुए वसंत राशिनकर के निस्वार्थ सामाजिक योगदान को आदरपूर्वक याद किया। अध्यक्ष वरिष्ठ कवि डॉ. रविन्द्र नारायण पहलवान ने संस्था द्वारा किये जा रहे रचनात्मकता के सम्मान का जिक्र करते हुए अपने उद्बोधन में कवि, मूर्तिकार और समाजसेवी वसंत राशिनकर द्वारा आपले वाचनालय के माध्यम से समाज मे किये गए कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए उनसे अपने आत्मीय संबंधों का जिक्र किया। इसके पूर्व प्रसंग वक्ता के रूप में उपस्थित बैंक के पूर्व एजीएम और वसंत जी के शिष्य रहे किरण भाटवडेकर ने अपने आत्मीय और भावपूर्ण संबोधन में न सिर्फ वसंतजी के शैक्षणिक समर्पण और शिष्यों के

बीच उनकी लोकप्रियता का स्मरण किया वरन उनके शिष्य रहे लोकप्रिय कलाकार अन्नू कपूर के उनके प्रति स्नेह और आदर की एक रोचक घटना का जिक्र किया। उन्होंने वसंत जी को शहर की सांस्कृतिक धरोहर निरूपित किया।

आपले वाचनालय व श्री सर्वोत्तम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मान समारोह में वर्ष 24 के लिए पुणे के वरिष्ठ गजल अध्येता और गजलकार डॉ. अविनाश सांगोलेकर को समारोह के सर्वोच्च सम्मान कविवर्य वसंत राशिनकर स्मृति अ. भा. सम्मान से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय कृतियों को दिए जाने वाले वसंत राशिनकर काव्य साधना अ. भा. सम्मान 24 से नाशिक से आए प्र .द. कुलकर्णी, बीड़ के संतोष विट्ठल घसिंग, नाशिक की जयश्री वाघ, धूलिया के प्रेमचंद अहिरराव, सिंधुदुर्ग की सरिता पवार के अलावा सोलापुर के हेमकिरण पत्की, उस्मानाबाद की अलका सपकाळ,मुंबई की भारती बिर्जे डिग्गीकर और आंबेगाव के तान्हाजी रामदास बोरहाडे को सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर अच्युत पोतदार प्रदत्त रामू भैया दाते स्मृति पुरस्कार शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि पाने वाली गीत भालेराव को प्रदान किया गया। पूर्वार्द्ध के कार्यक्रम का सुचारू संचालन श्रीति राशिनकर ने किया। उत्तरार्ध में वरिष्ठ कवि डॉ. अनिल गजभिये की अध्यक्षता में प्रभावी मराठी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस काव्य यात्रा में समारोह में सम्मानित देश के कवियों के अलावा इंदौर के मनीष खरगोणकर, अतुल केकरे, जया गाडगे, सुषमा अवधूत , ज्ञानेश्वर तीखे, मदन बोबडे, दीपक शिराळकर, श्रीनिवास कुटुंबले, अरुणा खरगोणकर, वैजयंती दाते ने अपनी विविध रंगी कविताओं से श्रोताओं को अभिभूत किया। कवि सम्मलेन का रोचक संचालन किया उमेश थोरात ने।

सरस्वती प्रतिमा और वसंतजी की चित्र पर माल्यार्पण के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम मे अनिल धडवाईवाले का अमृत महोत्सवी सम्मान किया गया। अतिथियों का स्वागत किया सर्वश्री शिशिर उपाध्याय, मधुसूदन तपस्वी ने और अंत में संदीप राशिनकर और सभा ने आपले वाचनालय के अध्यक्ष स्वर्गीय सतीश येवतिकर, डॉ.शशिकांत तांबे और स्व.अच्युत पोतदारजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सुधि श्रोता उपस्थित थे।

दिवाली से पहले योगी सरकार का बोनस का ऐलान

14.82 लाख कर्मचारियों को मिलेगा, अधिकतम 7 हजार रुपए मिलेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के शुभ अवसर पर राज्य कर्मचारियों को बड़ा उपहार देते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बोनस देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के परिश्रम और निष्ठा के

प्रति राज्य सरकार की सराहना का प्रतीक है। प्रदेश की प्रगति में सरकारी कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, और सरकार हर स्तर पर उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार के कर्मचारियों को उत्पादकता असम्बद्ध बोनस अनुमन्य किया गया है। यह बोनस मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा रू. 7,000 के आधार पर 30 दिनों की परिलब्धियों का आगणन करते हुए दिया जाएगा, जिससे प्रत्येक पात्र कर्मचारी को 6,908 का लाभ मिलेगा।

टैरिफ वार और तनाव के बीच ग्वालियर के आसमान में अमेरिकी फाइटर जेट्स

ग्वालियर (नप्र)। एक तरफ भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ वार को लेकर तनाव जारी है। इसके बीच भी दोनों देशों की एयर फोर्स युद्धाभ्यास करने जा रही है। रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए एक बार फिर आसमान में दोनों देशों के युद्ध कौशल की झलक देखने को मिलेगी। ग्वालियर के महाराजपुरा एयरबेस पर भारतीय और अमेरिकी वायुसेना का संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू होने जा रहा है। अमेरिकी वायुसेना की टीम पहले ही ग्वालियर पहुंच चुकी है और तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार से शुरू होने वाले इस अभ्यास में जापान और

ऑस्ट्रेलिया ऑब्जर्वर के रूप में शामिल रहेंगे। अभ्यास के दौरान दोनों देशों के लड़ाकू विमान, हवाई रणनीति, मिसाइल संचालन और रियल-टाइम कॉम्बैट तकनीक का प्रदर्शन करेंगे।

21 साल बाद इस एयरबेस पर कर रही ड्रिल- यह पहला मौका नहीं है जब अमेरिकी वायुसेना ग्वालियर के आसमान में दिखाई देगी। इससे पहले 2004 में भी ग्वालियर के महाराजपुर एयरबेस पर दोनों सेनाओं ने एक साथ मिलकर वार प्रैक्टिस की थी। कुछ दिन पहले ही भारतीय और अमेरिकी सेनाओं ने अलास्का में भी संयुक्त सैन्य अभ्यास किया था, जो दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों की गहराई को दर्शाता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और अमेरिका के बीच लगातार हो रहे ऐसे अभ्यास इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सामरिक संतुलन और सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। इनसे न केवल दोनों देशों की वायुसेनाओं की तकनीकी समझ और सामंजस्य बढ़ेगा, बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा में भी नया आयाम जुड़ जाएगा।

ट्रम्प, टाइम मैगजीन के कवर पर अपनी तस्वीर देखकर हुए नाराज

कहा- ये सबसे बेकार फोटो, मेरे सिर के बाल गायब कर दिए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रम्प ने टाइम मैगजीन के कवर पर अपनी तस्वीर को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे अब तक की सबसे खराब तस्वीर करार दिया। ट्रम्प ने अपनी नाराजगी ट्रूथ सोशल पर जताई और कहा कि टाइम ने उनके बारे में अच्छा लेख लिखा है, लेकिन अब तक की शायद सबसे खराब तस्वीर लगाई है।

ट्रम्प ने आगे लिखा है कि तस्वीर में उनके बाल 'गायब' कर दिए गए हैं और उनके सिर के ऊपर एक तैरती हुई अजीब सी चीज रख दी गई है जो एक छोटे से ताज जैसी दिखती है।

● **तस्वीर को ट्रम्प की जीत के तौर पर दिखाया-** टाइम मैगजीन के कवर पर लगी तस्वीर में राष्ट्रपति ट्रम्प आत्मविश्वास से आगे देखते हुए दिख रहे हैं और इसका शीर्षक है- हिज ट्रियम्फ यानी कि उनकी विजय। इस स्टोरी को एरिक कॉर्टलेसा ने लिखा है। इसे मिडिल ईस्ट में ट्रम्प की जीत के तौर पर दिखाया गया है।

हरियाणा के एएसआई ने खुद को गोली मारी

मरने से पहले वीडियो बनाया, बोला- करप्शन केस में बदनामी के डर से आईपीएस पूरन ने सुसाइड किया

रोहतक (एजेंसी)। हरियाणा में रोहतक के साइबर सैल में तैनात एएसआई संदीप कुमार ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। उनकी

डेडबॉडी लाढ़ौत रोड पर खेत में बने एक मकान से मिली। मौके से सुसाइड नोट मिला है। उन्होंने मरने से पहले एक वीडियो बनाया। एएसआई ने दिवंगत आईपीएस वाई पूरन कुमार और उनके गनमैन सुशील कुमार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उसने वीडियो में कहा- करप्शन केस में बदनामी के डर से आईएएस पूरन ने सुसाइड किया है।

हरियाणा आईपीएस सुसाइड, राहुल बोले-

सरकार तमाशा बंद करे, मृतक के परिवार पर प्रेशर न डाले, अफसरों को अरेस्ट करे, पीएम ऐक्शन लें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के सीनियर आईपीएस अफसर वाई. पूरन कुमार के सुसाइड मामले को 7 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया है। मंगलवार सुबह आईपीएस के परिवार से मिलने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार तमाशा बंद कर दे।

राहुल ने कहा कि आईपीएस के परिवार पर प्रेशर डाला जा रहा है। यह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार अफसरों को अरेस्ट करे और दिवंगत आईपीएस का अपमान न करे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी ऐक्शन लेने की अपील की।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी आईपीएस को श्रद्धांजलि देने पहुंचे- केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी आईपीएस को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि परिवार की हर मांगें पूरी की जाएगी। इससे पहले हरियाणा सरकार ने डीजीपी शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेज दिया। उनकी जगह ओम प्रकाश सिंह को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

नरेश मीणा ने परिवार के साथ जनता को किया दंडवत

● अंता उपचुनाव के लिए भरा नामांकन, बोले- भाया ने भ्रष्टाचार का खुला खेल खेला

जयपुर (एजेंसी)। बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए नरेश मीणा ने मंगलवार को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ माता-पिता, पत्नी और बच्चे समेत सैकड़ों की संख्या में समर्थक मौजूद रहे। उन्होंने परिवार के साथ अंता की जनता को दंडवत प्रणाम किया। कहा- इस दंडवत को अंता की जनता अपने चरणों में दंडवत माने और मुझे आशीर्वाद दे।

उमरिया के बल्हौड गांव के पास खेत में घुसा बाघ

बीटीआर की 50 सदस्यीय टीम हाथियों की मदद से खदेड़ने में जुटी

उमरिया (नप्र)। उमरिया के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर बफर परिक्षेत्र स्थित बल्हौड गांव के पास एक बाघ खेत में देखा गया है। बाघ के गांव के नजदीक आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम बाघ को जंगल में खदेड़ने में जुट गई है। मानपुर बफर परिक्षेत्र की टीम मौके पर मौजूद है और बाघ को खदेड़ने का प्रयास कर रही है। बाघ को जंगल में वापस भेजने के लिए हाथियों की भी मदद ली जा रही है। बाघ बार-बार खेतों की झाड़ियों में छिप रहा है, जिससे उसे खदेड़ने में परेशानी आ रही है। बीटीआर के उपसंचालक पीके वर्मा ने बताया कि बाघ की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि बाघ ने शिकार किया हुआ है, जिसके कारण वह अभी घटनास्थल से नहीं जा रहा है। टीम लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही है।

50 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी तैनात- प्रभारी परिक्षेत्र अधिकारी महावीर पांडे ने बताया है कि बाघ को जंगल में खदेड़ने के लिए 50 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों की टीम तैनात की गई है। हाथियों से भी सर्चिंग कराई जा रही है। ग्रामीणों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के लिए भी टीम तैनात है

रक्षामंत्री राजनाथ बोले

कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे

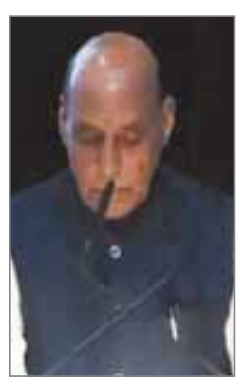

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदान देने वाले देशों के प्रमुखों के सम्मेलन में एक सभा शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने किसी देशों का नाम लिए बिना कहा- कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ खुद के नियम बनाकर अगली सदी पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। इन सबके बीच, भारत पुरानी अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को कायम रखने में मजबूती से खड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के छापों पर सवाल उठाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु में शराब दुकान के लाइसेंस से जुड़े तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड घोटाला

केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी पर सवाल उठाए। कोर्ट ने ईडी से सवाल किया कि क्या आप राज्य पुलिस की शक्तियों में दखल नहीं दे रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने पूछा कि क्या राज्य पुलिस इस घोटाले की जांच नहीं कर सकती है, क्या ईडी का दखल जरूरी है? इससे संघीय ढांचे पर क्या असर होगा? दरअसल, ईडी ने मार्च में टीएएसएमएसी के चेन्नई स्थित मुख्यालय पर रू. 1,000 करोड़ के घोटाले मामले में छापेमारी की थी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग में भर्ती प्रक्रिया और अधोसंरचना विकास कार्यों की वृहद समीक्षा की

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की गतिविधियों की वृहद समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि नर्सिंग, ए.एन.एम. और अन्य तकनीकी संवर्गों की भर्ती प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए ताकि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मानव संसाधन सुदृढ़ हो सकें। उन्होंने उपकरणों की खरीदी प्रक्रिया और अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा की। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव श्री संदीप यादव और आयुक्त श्री तरुण राठी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभाग में विभिन्न पदों पर की जा रही भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा की और समय अनुसार पदपूर्ति की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। बताया गया कि वर्ष 2023 में रिक्त 515 पदों पर प्रतीक्षा सूची से काउंसलिंग की प्रक्रिया 13 अक्टूबर से प्रारंभ की गई है, वर्ष 2024 की 972 पदों पर भर्ती कार्यवाही वर्ष 2023 की प्रक्रिया पूर्ण

होने के उपरांत की जाएगी। नर्सिंग संवर्ग के लगभग 1260 पदों के लिए नियम संशोधन का प्रस्ताव वित्त विभाग को प्रेषित किया गया है। चिकित्सा महाविद्यालयों में नर्सिंग के लगभग 1000 पदों तथा नर्सिंग ट्यूटर (टीचर्स) के कुल 711 पदों (328 + 383) की भर्ती संबंधी प्रस्तावों पर विभागीय स्तर पर कार्यवाही प्रगति पर है। सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में मेडिकल टीचर्स के वेतन-भत्तों में वृद्धि, नर्सिंग कॉलेजों में शिक्षकों की भर्ती शीघ्र पूर्ण करने और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिशानिर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा जिला चिकित्सालय में 200 बेड उन्नयन उपरांत 225 नये पदों की स्वीकृति की प्रक्रिया की समीक्षा कर शीघ्र औपचारिकताओं की पूर्ति करने के निर्देश दिए। साथ ही सागर चिकित्सा महाविद्यालय में यू जी अपग्रेडेशन के लिए टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में श्योपुर और सिंगरौली के नवीन चिकित्सा महाविद्यालयों के अनुबंध पुनरीक्षण की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि परियोजनाओं की समयसीमा में कोई विलंब न हो। इसके साथ ही बुधनी चिकित्सा महाविद्यालय के अनुबंध पुनरीक्षण एवं एम.पी.बी.डी.सी. द्वारा निर्माणाधीन सी.सी. एच.बी. भवनों के भुगतान संबंधी समस्याओं के निराकरण पर भी चर्चा हुई।

इंदौर में एमपी ट्रांसको की अभिनव पहल : मंत्री श्री तोमर

त्यौहारी सीजन में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए रात और तड़के किया जा रहा ट्रांसमिशन लाइनों का मेंटेनेंस

भोपाल (नप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि इंदौर महानगर के विद्युत उपभोक्ताओं को जरूरत के समय विद्युत का व्यवधान न हो, इस उद्देश्य के साथ मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी इंदौर ने एक अभिनव पहल की है। त्यौहारी सीजन में ट्रांसमिशन लाइन के मेंटेनेंस दिन के बजाय देर रात या तड़के किए जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बिजली व्यवधान का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा है कि इसी तरह के प्रयोग अन्य शहरों में भी किए जाएंगे।

सामान्यतः ट्रांसमिशन लाइन में मेंटेनेंस का कार्य दिन के उजाले में ही किया जाता है, लेकिन इंदौर ट्रांसमिशन मेंटेनेंस टीम ने इस परंपरा को बदल दिया है। अब जब शहर सो रहा होता है, तब एमपी ट्रांसको की टीमें फील्ड में सक्रिय होकर ट्रांसमिशन लाइनों की देखरेख कर रही होती हैं।

फ्रंट लाइन में महिला अधिकारी- एमपी ट्रांसको इंदौर की यह पहल इसलिए भी विशेष है क्योंकि इसका नेतृत्व अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना के मार्गदर्शन मे कार्यपालन अभियंता श्रीमती नम्रता जैन कर रहीं है। कार्यपालन अभियंता श्रीमती नम्रता जैन चाहे रात्रि कालीन हो या सुबह तडके, पूरे शटडाउन समय मे फील्ड पर मौजूद रहकर मेंटेनेंस कार्य की स्वयं निगरानी करती हैं।

त्यौहारी सीजन में उपभोक्ताओं को राहत देने का प्रयास- अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना ने बताया कि इंदौर की बिजली व्यवस्था कुछ इस तरह है कि यदि ट्रांसमिशन लाइन पर मेंटेनेंस के दौरान शटडाउन लिया जाए, तो उपभोक्ताओं को असुविधा हो सकती है। इस समय त्यौहारी सीजन होने के कारण घरेलू और व्यावसायिक दोनों वर्गों के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है।

रेलवे के मेगा ब्लॉक के दौरान भी किया गया सफल कार्य- विगत दिवस रेलवे द्वारा दिए गए समय सीमा वाले मेगा ब्लॉक के दौरान श्रीमती नम्रता जैन की सूझबूझ और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता के कारण एमपी ट्रांसको की टीम ने रात भर काम कर रेलवे क्रॉसिंग पर कंडक्टर बदली के बेहद चुनौतीपूर्ण काम को न्यूनतम संभव समय मे पूरा करने का उल्लेखनीय कार्य किया। इसी तरह 132 के व्ही नॉर्थ जोन- चंबल सर्किट एक ट्रांसमिशन लाइन पर सुबह 4 बजे से शटडाउन लेकर काम किया गया, तो इसी फीडर के सर्किट नंबर दो पर रात भर ब्रेकडाउन अटेंड किया गया। अंधेरे और ठंड के बावजूद अधिकारी-कर्मचारी पूरी निष्ठा से कार्य में जुटे रहे। एमपी ट्रांसको की यह अनूठी पहल तकनीकी नवाचार के साथ-साथ कार्यसंस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण भी है।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने मंत्रालय में विभिन्न विभागीय और विकास कार्यों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी लाला हरदयाल की जयंती पर नमन किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी श्रद्धेय लाला हरदयाल की जयंती पर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ भारती की सेवा में समर्पित लाला हरदयाल ने गदर पार्टी की स्थापना कर स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उनका संपूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

मंत्रालय में चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान

भोपाल (नप्र)। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक मंत्रालय, वल्लभ भवन में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। यह कार्यक्रम अपर मुख्य सचिव के मार्गदर्शन में होंगा। 15 अक्टूबर 2025 को स्वच्छता अभियान अंतर्गत मंत्रालय के आंतरिक एवं बाह्य परिसर की सफाई का निरीक्षण, कार्यालयों में रखे फर्नीचर, रैक, अलमारियों को मानक लेआउट के अनुसार व्यवस्थित किया जायेगा। मंत्रालय परिसर स्थित स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था के लिए वाटर कूलरों का निरीक्षण। ई-कचरे (पुराने कम्प्यूटर, प्रिंटर, कार्टेज आदि) को अधिकृत एजेंसी के माध्यम से निस्तारण और पुराने रिकार्ड को व्यवस्थित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ठेंगड़ी जी ने भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ और स्वदेशी जागरण मंच जैसे संगठनों की स्थापना कर सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की सेवा और किसानों व श्रमिकों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि ठेंगड़ी जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आजीवन प्रचारक रहे, वे कुशल संगठनकर्ता और आधुनिक भारत के मनीषी थे। स्वदेशी की भावना से ओत-प्रोत ठेंगड़ी जी के विचार सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

शाहपुरा में खड़ी कार में आग...कई गाड़ियां चपेट में आने से बची

दमकल आने से पहले लोगों ने काबू पाया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मनीषा मार्केट शाहपुरा इलाके में मंगलवार को एक खड़ी कार में आग लग गई। हालांकि लोगों ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। इससे कई गाड़ियां चपेट में आने से बच गई।

आगजनी की घटना बंसल हॉस्पिटल के सामने हुई। कॉलोनी के सर्विस रोड पर एक स्कॉर्पियो खड़ी थी। जिसमें कोई नहीं बैठा था। अचानक कार के बोनट से धुआं निकलने लगी और आग लग गई। आसपास खड़े लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही आग तेज हो गई। तुरंत वे दौड़े और पानी डालकर आग पर काबू पाया।

आग से हड़कंप मचा- आग लगने के बाद हड़कंप की स्थिति भी बन गई। लोग दौड़े और आसपास खड़ी गाड़ियों को भी हटा दिया। इससे वे गाड़ियां भी आग की चपेट में आने से बच गई।

ढाबे पर खाने के बिल को लेकर खूनी संघर्ष

युवक के पेट में दे मारी तंदूर की रॉड, आर-पार निकली; 10 घायल हुए

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में रविवार देर रात एक ढाबे पर खाने के बिल को लेकर हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक युवक के पेट में तंदूर की रॉड घोंप दी गई, जो शरीर से आर-पार हो गई। घटना कटारा थाना क्षेत्र के रापड़िया इलाके की है। इसमें दोनों पक्षों के करीब 10 लोग घायल हुए हैं। घटना के कई सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है। फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान कर रही है।

ढाबा संचालक को थप्पड़ मारने से भड़का विवाद- जानकारी के अनुसार कटरा गांव के अवधनारायण और ऋतिक अपने दोस्तों के साथ रापड़िया इलाके में स्थित सेठ जी ढाबे पर खाना खाने पहुंचे थे। युवकों ने मटन का ऑर्डर दिया, जिसकी कीमत 650 रुपए बताई गई, लेकिन युवकों ने 500 रुपए देने की बात कही। इसी बात पर ढाबा संचालक से बहस हो गई। विवाद के दौरान एक युवक ने ढाबा

संचालक को थप्पड़ मार दिया।

गांव से बुलाए लोग, ढाबे पर हमला- इसके बाद ढाबा संचालक के दो बेटों ने युवकों से मारपीट शुरू कर दी। इस पर युवकों ने गांव में फोन लगाकर भीड़ बुला ली। कुछ ही देर में गांव से कई लोग पहुंचे और ढाबे पर हमला कर दिया। दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। इसी दौरान किसी ने तंदूर की रॉड उठाकर एक युवक के पेट में घोंप दी। घायल युवक का नाम दिनेश राजपूत बताया जा रहा है। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गाड़ियों में भी की तोड़फोड़

भीड़ ने ढाबे के बाहर और ढाबा संचालक के सर्विस सेंटर में खड़ी गाड़ियों में जमकर तोड़फोड़ की। पत्थरबाजी और मारपीट में दोनों पक्षों के करीब 10 लोग घायल हुए हैं। कटारा हिल्स पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात काबू में किए। दोनों पक्षों पर काउंटर केस दर्ज कर लिया है।

कटारा थाना प्रभारी सुनील दुबे ने बताया कि यह विवाद रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे का है। मटन की कीमत को लेकर झगड़ा हुआ था। एक पक्ष ने थप्पड़ मार दिया, इसके बाद दूसरे पक्ष ने हमला कर दिया। झगड़े में दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं। तंदूर की रॉड से घायल हुआ युवक गांव का ही व्यक्ति है, जिसका नाम दिनेश राजपूत है। दोनों पक्षों के खिलाफ काउंटर केस दर्ज किया गया है।

थाने से 55 लाख कैश और गहने गायब

बालाघाट में मालखाने का इंचार्ज जुए में हारा सरकारी पैसा, मांगने पर गेट बंद किया, सुसाइड की कोशिश

बालाघाट/ भोपाल (नप्र)। बालाघाट जिला मुख्यालय के कोतवाली थाने में मालखाने में रखे 55 लाख रुपए नकदी और 10 लाख रुपए के सोने-चांदी गहने गायब हो गए हैं। मालखाने का इंचार्ज इन पैसों को जुए में हार गया है। खुलासा तब हुआ जब फरियादी थाने में अपने पैसे लेने पहुंचा। पुलिस ने इस मामले में मालखाना इंचार्ज प्रधान आरक्षक राजीव पंद्रे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। बालाघाट आईजी संजय कुमार ने मीडिया से चर्चा करते हुए इस बात की पुष्टि की है।

टीआई ने पैसे मांगे तो सुसाइड की कोशिश- जानकारी के मुताबिक कोतवाली पुलिस ने ठगी के एक मामले में आरोपियों से 55 लाख रुपए नकद बरामद कर लिए थे। ये रकम और सोने चांदी के कुछ गहने मालखाने में जमा रखे गए थे। महिला फरियादी ने कोर्ट की प्रक्रिया पूरी करने के बाद जब कोतवाली में अपने पैसे हासिल करने के लिए टीआई से संपर्क किया। टीआई ने मालखाना इंचार्ज राजीव पंद्रे को रुपए लाने को कहा, तब उसने मालखाने का भीतर से गेट बंद कर लिया। पंखे से लटकने की भी कोशिश की, लेकिन उसे बचा लिया गया।

आईजी बोले- जांच कर रहे ये कैसे संभव हुआ?

जुआ खेलने गोंदिया और सिवनी जाता था-पुलिस की शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि हेड कॉन्स्टेबल राजीव पंद्रे जुआ खेलने का शौकीन है। जुआ खेलने के लिए वह अक्सर महाराष्ट्र के गोंदिया और पड़ोसी जिले सिवनी तक जाया करता था।

हेड कॉन्स्टेबल से 20 लाख रुपए रिकवर

पुलिस सूत्रों का कहना है कि हेड कॉन्स्टेबल से हुई पूछताछ के बाद 20 लाख रुपए से ज्यादा राशि बरामद हो चुकी है। अभी उसके और भी ठिकानों पर पुलिस जांच कर रही है।

पहले भी मालखाने की राशि से जुआ खेलता रहा है

पुलिस की जांच में ये भी पता चला है कि हेड कॉन्स्टेबल राजीव पंद्रे पहले भी मालखाने की राशि को अपने इस्तेमाल में लेता रहा है। उससे पूछताछ चल रही है। हालांकि एसपी आदित्य मिश्रा और टीआई विजय राजपूत अबतक इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

दिलीप बिल्डकॉन पर आयकर की छापेमारी जारी

पंजाब आईटी की टीम ने जब्त किए गोपनीय दस्तावेज, टैक्स चोरी का वैलुएशन कर रहे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में दिलीप बिल्डकॉन के दो दफ्तरों में सोमवार से शुरू हुई आयकर विभाग की पंजाब की टीम की छापेमारी कार्रवाई अभी चल रही है। अमृतसर से आई इनकम टैक्स टीम भोपाल में दो जगहों पर दस्तावेज खंगाल रही है।

इस टीम ने भारी मात्रा में ऐसे दस्तावेज जब्त किए हैं जो इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के मैनिपुलेशन और शेयर में गड़बड़ी से जुड़े हैं। इस टीम के प्रिंसिपल डायरेक्टर इन्वेस्टिगेशन समेत दो दर्जन अधिकारी यहां पूछताछ और पड़ताल कर रहे हैं।

आयकर अफसरों के अनुसार पंजाब में टैक्स चोरी के मामले में की गई एक कार्यवाही के मामले में दिलीप सूर्यवंशी के लिंक मिले हैं और इसके आधार पर यह छापेमारी की गई है जिसमें भारी मात्रा में दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

इसके लिए दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप के मालिक दिलीप सूर्यवंशी के चूनाभट्टी स्थित दफ्तर पर सोमवार से सर्चिंग की जा रही है। पंजाब के चंडीगढ़ रीजन के आयकर विभाग की डीजी इन्वेस्टिगेशन बत्सला झा ने मीडिया से बातचीत में दिलीप बिल्डकॉन के भोपाल में दो ठिकानों में छापे की पुष्टि की और कहा कि इस मामले में अभी फाइनल रिपोर्ट आना बाकी है। मंगलवार शाम तक कार्रवाई पूरी होने की संभावना है।

यहां जांच के लिए आई अमृतसर की आईटी टीम ने एमपी एसएएफ की मदद ली है, लेकिन लोकल पुलिस या केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को नहीं बुलाया है। अमृतसर से आई टीम ने इस छापेमारी में भोपाल के विभागीय अफसरों को साथ नहीं लिया है।

आयकर विभाग की टीम ने इंदौर से लगे धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में आर्निल टेक्नोक्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर भी छापा मारा है। बताया जा रहा है कि यह कंपनी दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप से जुड़ी हुई है और मुख्य रूप से रोड फर्नीचर बनाने का काम करती है।

दिलीप बिल्डकॉन को भी आईटी ने कार्रवाई का कारण नहीं बताया

अमृतसर इनकम टैक्स की ओर से भोपाल में दिलीप बिल्डकॉन पर की जा रही छापे की कार्रवाई को लेकर कंपनी को कोई जानकारी नहीं दी गई है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि आयकर विभाग ने अभी तक ये नहीं बताया कि वे कंपनी के कैम्पस में क्यों आए हैं। हम भी इस बात की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं कि इस कार्रवाई से हमारा कोई संबंध है या नहीं।

बीते कुछ समय से कुछ कंस्ट्रक्शन कंपनियों पर आयकर की कार्रवाई हुई है। इसलिए हो सकता है कि भोपाल में दिलीप बिल्डकॉन पर आईटी की कार्रवाई उन्हीं से संबंधित हो। हालांकि इनकम टैक्स की ओर से अब तक कोई बयान भी इस कार्रवाई के संबंध में अब तक जारी नहीं किया गया है।

जब दस्तावेज जब्त हो जाएंगे तो पता चल जाएगा- आयकर विभाग की छापेमारी कर रही टीम का कहना है कि अभी इस मामले में कार्यवाही चल रही है। इसमें अभी एक दो दिन का समय और लग सकता है। दिलीप बिल्डकॉन की ओर से यह बयान जारी करने पर कि आयकर अधिकारी उनके यहां की जा रही कार्यवाही की वजह नहीं बता रहे हैं, इस पर आयकर अफसरों का कहना है कि टीम जब सर्च से संबंधित सभी दस्तावेज जब्त कर लेगी तो दिलीप बिल्डकॉन को भी इसकी जानकारी हो जाएगी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने बैठक में कहा-

जो टीम मजबूत होगी,वही चुनाव में मुकाबला कर पाएगी

भोपाल (नप्र)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा- स्वदेशी के मंत्र को जन अभियान बनाया जा रहा है। देशभर में कई कार्यक्रम, सम्मेलन चल रहे हैं। सभी देश अपने प्रोडक्ट के बारे में सोच रहे हैं। स्वदेशी का अभियान चल रहा है। हर क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

अरुण सिंह ने कहा- रक्षा के साथ अनेकों प्रोडक्ट भारत में बनाया जा रहा है। भारत के सामान की डिमांड दुनियाभर में हो रही है। अब भारत में चिप, सेमीकंडक्टर बनाए जा रहे हैं। कांग्रेस ने कभी इन्फ्रास्ट्रक्चर और अर्थव्यवस्था के बारे में चिंता नहीं की। कांग्रेस की सरकार में इंफ्रास्ट्रक्चर पर ढाई लाख करोड़ खर्च होते थे। आज 12 लाख करोड़ खर्च हो रहे हैं।

खंडेलवाल बोले- चार पांच लोग काम करते हैं बाकी कागजों में- प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद हुई रन फॉर यूनिटी की बैठक को संबोधित करते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने

बीजेपी नेताओं को नसीहत देते हुए कहा-हमारे कार्यक्रम प्रभावशाली बनें इसका प्रयास होना चाहिए। कई बार हम देखते हैं कि चार-पांच लोग काम करते हैं बाकी कागजों में रह जाते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। हमारी टीम में सभी समाजों का समावेश हो जाए। जो टीम मजबूत रहेगी वो ही चुनाव में सामना कर पाएगी। इनर जिफ, प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ अरुण सिंह ने बैठक की। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद थे। हेमंत खंडेलवाल ने कहा-अपनी टीम मजबूत होना चाहिए। जो टीम मजबूत रहेगी, वो ही चुनाव में सामना कर पाएगी। जनता तक योजना पहुंचेगी, तभी राजनीतिक लाभ मिलेगा। किसानों को पता चलना चाहिए कि सरकार उसके लिए काम कर रही है।

बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने इन सवालों के जवाब दिए- बिहार सरकार द्वारा महिलाओं को रोजगार के लिए 10 हजार रुपए देने को लेकर कहा- एक तरफ सरकार की यह प्राथमिकता होती है कि देश की विकासदर को आगे ले जाना है। विश्व की कोई भी सरकार हो उसकी प्राथमिकता होती है सबसे पहले यही कहती है कि हमारी सरकार लोगों के विकास के लिए काम कर रही है। अगर हम प्राथमिकता के आधार पर उनके खाते में 10 हजार रुपए दे रहे हैं तो ये मानकर चलिए कि उनको सक्षम बनाने की कोशिश सरकार कर रही है कि आप भी आजीविका के माध्यम से आईए और आप भी रोजगार करके देश की विकास दर में अपना योगदान दीजिए। वो आजीविका के माध्यम से किया है लोग कुछ काम कर सकें।

बिहार में सीएम मोहन यादव की बहुत डिमांड

बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार को लेकर अरुण सिंह ने कहा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी प्रचार में जाएंगे। यहां के मुख्यमंत्री जी की बिहार में काफी डिमांड है। वो जाएंगे और प्रचार करेंगे।

अरुण सिंह से पूछा गया कि- आत्मनिर्भर भारत संकल्प को कानून के माध्यम से लागू किया जा सकता है?

इसके जवाब में अरुण सिंह ने कहा- हम यही तो कह रहे हैं कि समाज का हर व्यक्ति इस बात का संकल्प ले। हम संकल्प पत्र भरवा रहे हैं कि हम स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करेंगे। इस भाव के साथ उपयोग करेंगे कि लोकल स्वदेशी वस्तुएं उपयोग करते हैं तो कहीं न कहीं हम अपने स्थानीय लोगों को रोजगार दे रहे हैं। विहिप की दिवाली पर अपनों से खरीददारी की अपील को लेकर अरुण सिंह ने कहा-प्रधानमंत्री जी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने स्पष्ट कहा है कि भारत में बनी हुई कोई भी वस्तुएं जिसमें भारत की मिट्टी की खुशबू आती हो।

संपादकीय

मुश्किल में सैनी सरकार

दलित एडीजीपी पूरन कुमार द्वारा जातिगत प्रताड़ना से त्रस्त होकर आत्महत्या किए जाने के मामले में हरियाणा सरकार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक तरफ पूरन कुमार का परितवार उनके द्वारा छोड़े सुसाइड नोट में नामित आईपीएस अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर पूरन कुमार का पोस्टमार्ट्म न होने देने पर अड़ा है, वहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसे राजनीतिक रंग दे दिया है। हरियाणा सरकार की मुश्किल यह है कि अगर वो इस मामले में कड़ी कार्रवाई नहीं करती है तो समूचे दलित समाज में विपरीत संदेश जाएगा और इतने आला अफसरों पर कार्रवाई करती है तो पुलिस महकमे में गलत संदेश जाएगा। हालांकि स्व. पूरन कुमार की आईएएस पत्नी अमनीत की मांग पर सरकार ने राज्य के डीपीजी शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेज कर नए डीजीपी की नियुक्ति कर दी है, लेकिन पूरन कुमार के परिजन इतने से ही संतुष्ट नहीं हैं। इस बीच मंगलवार को राहुल गांधी चंडीगढ़ स्थित पूरन कुमार के निवास पहुंचे और कहा कि यह संवेदनशील मामला है। जिन अफसरों की प्रताड़ना की वजह से पूरन कुमार को जान देनी पड़ी, उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए। गौरतलब है कि आईपीएस वाई पूरन कुमार का शव पिछले हफ्ते चंडीगढ़ के सेक्टर 11 स्थित उनके आवास पर मिला था। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद इसे आत्महत्या का मामला बताया। हालांकि लोजपा नेता और केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान भी पूरन कुमार की पत्नी अमनीत कौर से मिलने उनके घर पहुंचे। उधर पूरन कुमार की पत्नी अमनीत ने राज्य मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लिखे एक पत्र में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उनके दिवंगत पति द्वारा छोड़े गए 8 पन्नों के विस्तृत सुसाइड नोट और औपचारिक लिखित शिकायत के बावजूद पुलिस ने कोई एफआईआर दर्ज नहीं की। चंडीगढ़ पुलिस ने उनके पति के 'उत्पीड़न, अपमान और मानसिक यातना' में शामिल वरिष्ठ अधिकारियों के सभी विवरणों को नजरअंदाज कर दिया है, भले ही उनकी मृत्यु को कई दिन बीत चुके हैं। पहले तो पुलिस ने जो एफआईआर लिखी, उसमें आरोपियों का कॉलम ही खाली छोड़ा गया था। हालांकि बाद में करीब आधा दर्जन आला पुलिस अफसरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पूरन कुमार का मामला बेहद गंभीर इसलिए भी है कि अगर आईपीएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में भी जातीय भेदभाव इस कदर है कि किसी अफसर को खुदकुशी करनी पड़ जाए तो यह अत्यंत चिंताजनक और अस्वीकार्य बात है। पूरन कुमार वो मानसिक रूप से इतने ज्यादा परेशान हो गए थे कि उन्हें मुक्ति का मार्ग केवल आत्महत्या में ही दिखा। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने अगड़े और पिछड़े वर्ग के आला अफसरों पर जातिगत भेदभाव, सार्वजनिक अपमान, टारगेटेड 'मानसिक उत्पीड़न और अत्याचार' का आरोप लगाते हुए हरियाणा पुलिस के कई आईपीएस अधिकारियों, एक रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी और तीन रिटायर्ड आईएएस अधिकारियों का नाम लिया है। हालांकि पूरन कुमार आत्महत्या के बजाए नौकरी से इस्तीफा भी दे सकते थे और इस अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ सकते थे। लेकिन शायद उन्हें भरोसा नहीं था कि जीते जी उन्हें न्याय मिल पाएगा। अब सैनी सरकार पर दलित संगठनों और विपक्ष का दबाव बढ़ता जा रहा है कि वो आरोपी अफसरों को गिरफ्तार करे और उनके खिलाफ एक वरिष्ठ अफसर को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज करे। लेकिन यह इतना आसान नहीं है। गिरफ्तारियां हो भी गईं तो अदालत में आरोप सिद्ध करना मुश्किल है। दूसरे, दिवंगत पूरन कुमार की भावनाएं अपनी जगह हैं, लेकिन बहुत बड़े पैमाने पर पुलिस अफसरों पर कार्रवाई महकमे में गलत संदेश दे सकती है। इस मामले में गहराई से जांच होनी चाहिए और सरकार को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

नजरिया

टिकेंदर सिंह पंवार

लेखक शहरी नीति विशेषज्ञ और शिमला के पूर्व उपमहापौर हैं।

कितने समावेशी, सुगम, सांस लेने लायक हैं 'स्मार्ट सिटीज़'

'स्मार्ट सिटीज़ मिशन' के प्रमुख शहरों में से एक बेंगलुरु को ही लें। इस योजना के तहत यहां तेजी से फ्लाईओवर और सिग्नल–फ्री कॉरिडोर बनाए गए। इन परियोजनाओं ने वाहनों की आवाजाही आसान करने का दावा तो किया, लेकिन चुपचाप फुटपाथों को निगल लिया। 'मिलर्स रोड' जैसे इलाकों में, नए बनाए गए पैदल रास्ते जल्दी ही निर्माण के मलबे से ढक गए। यहां तक कि शहर के ऐतिहासिक हरित क्षेत्र 'क्यूब्बन पार्क' तक को नहीं बख्शा गया। पार्क के भीतर एक 'सेंसरी पार्क' बनाने का प्रस्ताव संवेदनशील क्षेत्रों के लिए खतरा बन गया।

जब 2015 में 'स्मार्ट सिटीज़ मिशन' शुरू हुआ, तो इसका वादा था कि शहरी भारत को उच्च तकनीक और नागरिक-हितैषी स्थानों के नेटवर्क में बदल देगा। यह नवाचार, सतत विकास और आधुनिक प्रशासन की भाषा के साथ आया, जिसमें 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' और क्षेत्र-आधारित विकास को प्रमुख बनाया गया। कागज़ पर यह भविष्य की ओर एक दूरदर्शी छलांग लगती थी, लेकिन एक दशक बाद, उसकी चमक फीकी पड़ गई है। 'कमांड सेंटर्स,' 'डिजिटल कियोस्क' और 'सेंसर' से भरे खंभों के नीचे विस्थापन, पर्यावरणीय क्षरण और साझा शहरी संसाधनों की बर्बादी की एक गहरी कहानी छुपी है।

'स्मार्ट सिटी' का विचार समावेशी योजना से नहीं, बल्कि पूंजी-प्रधान बुनियादी ढांचे के जुनून से जुड़ गया–ऐसा ढांचा जिसे अक्सर लोगों के जीवन अनुभवों की अनदेखी कर तैयार किया गया। इसका आधार न तो पारिस्थितिक समझ थी और न ही समुदाय की भागीदारी, बल्कि एक सीमित तकनीकी सोच थी। शहर-दर-शहर फुटपाथ, पार्क, झीलें और खेल-मैदान–वे स्थान जो कभी शहरी जीवन में रोजमर्रा के हिस्से थे–स्मार्ट पुनर्विकास के नाम पर या तो हड़प लिए गए, उपेक्षित किए गए या नष्ट कर दिए गए।

'स्मार्ट सिटीज़ मिशन' के प्रमुख शहरों में से एक बेंगलुरु को ही लें। इस योजना के तहत यहां तेजी से फ्लाईओवर और सिग्नल-फ्री कॉरिडोर बनाए गए। इन परियोजनाओं ने वाहनों की आवाजाही आसान करने का दावा तो किया, लेकिन चुपचाप फुटपाथों को निगल लिया। 'मिलर्स रोड' जैसे इलाकों में, नए बनाए गए पैदल रास्ते जल्दी ही निर्माण के मलबे से ढक गए। यहां तक कि शहर के ऐतिहासिक हरित क्षेत्र 'क्यूब्बन पार्क' तक को नहीं बख्शा गया। पार्क के भीतर एक 'सेंसरी पार्क' बनाने का प्रस्ताव संवेदनशील क्षेत्रों के लिए खतरा बन गया।

यह कोई अकेला मामला नहीं था। भोपाल, जो एक और स्मार्ट सिटी है, में पैदल-पथ टूटे, अस्थायी दुकानों से घिरे या फिर पूरी तरह गायब थे। यही कहानी रांची में भी दिखी, जहां फुटपाथों पर रोजाना मोटरसाइकिलें और कारें खड़ी कर दी जाती थीं, जिससे पैदल चलने वालों को मजबूरी में व्यस्त सड़कों पर उतरना पड़ता था। 'वॉकिंग फ्रेंडली' शहरों के वादों के बावजूद, जमीनी हकीकत पैदल यात्रियों के लिए लगातार असुरक्षित बनी रही।

साझा संसाधनों पर यह हमला सिर्फ फुटपाथों तक सीमित नहीं था। झीलें, आर्द्रभूमियां और शहरी पार्क–जो लंबे समय से पारिस्थितिक और सामाजिक धरोहर रहे हैं–हाई-प्रोफाइल पुनर्विकास की दौड़ में नुकसान झेलते रहे। कोयंबटूर में सात ऐतिहासिक झीलों का 'स्मार्ट सिटी' बजट से सौंदर्यीकरण किया गया–वहां वॉकवे, फव्वारे और 'व्यूइंग डेक' बनाए गए, लेकिन एक साल के भीतर ही, इनमें से कई झीलें कचरे से पटीं और मच्छरों से भरी बदहाल जगहों में बदल गईं। जो झीलें कभी सामुदायिक स्थान हुआ करती थीं, वे अब घेराबंदी वाले, अर्ध-निजीकृत इलाके बन गईं–जहां मुख्य जोर सामाजिक उपयोगिता पर नहीं, बल्कि दिखावे पर था।

कोलकाता में यह कहानी और भी खतरनाक रूप ले चुकी थी। स्मार्ट सैटेलाइट सिटी के रूप में प्रचारित 'राजारहाट' या 'न्यूटाउन' के विकास ने क्षेत्र की पारिस्थितिकी को आकार देने वाली आर्द्रभूमियों और तालाबों को योजनाबद्ध तरीके से मिटा दिया। जलाशयों को पाटा गया और उनके ऊपर लक्जरी हाउसिंग और 'टेक-पार्क' बना दिए गए। इसे जलवायु-संवेदन टाउनशिप के रूप में बेचा गया था, लेकिन वह पारिस्थितिक भूल का एक क्लासिक उदाहरण बनकर रह गया। इसी तरह गुवाहाटी में भी 'सोलाबील' जैसी छोटी आर्द्रभूमियों पर अतिक्रमण हुआ, जिससे सिर्फ जल-प्रणालियां ही नहीं, बल्कि उन पर आश्रित गरीब समुदायों का भी विस्थापन हुआ।

इसी बीच, बुनियादी ढांचे के उपेक्षित स्थल–फ्लाईओवर और ओवरब्रिज के नीचे की जगहें–या तो नजरअंदाज होती रहीं या व्यावसायिक क्षेत्रों में बदल दी गईं। अहमदाबाद में इन स्थानों को शुरुआत में जीवंत सार्वजनिक स्थलों के रूप में विकसित करने की योजना थी, जहां पुस्तकालय, बाजार और छायादार जगहें होतीं, लेकिन क्रियान्वयन में देरी हुई और कई स्थान कचरे के ढेर या अनौपचारिक पार्किंग स्थलों में बदल गए। बेंगलुरु में भी यही प्रवृत्ति देखी गई, जब तक कि 'द अग्ली इंडियन' जैसे नागरिक समूह आगे नहीं आए और रंग, सफाई और सामुदायिक भागीदारी से इन मृत पड़े इलाकों को फिर से जीवंत नहीं किया।

'स्मार्ट सिटी' परियोजनाओं के तहत झुग्गी पुनर्विकास भी गरीबों के विस्थापन का आसान जरिया बन गया। अहमदाबाद में 'रमो टेकरी' जैसी झुग्गी बस्तियों को 'स्मार्ट सिटी' पुनर्विकास के लिए बिना समुचित सर्वेक्षण या समुदाय की भागीदारी के चिह्नित कर दिया गया। पुणे और भुवनेश्वर जैसे शहरों में, स्मार्ट सिटी योजनाओं के तहत बनाए गए किफायती आवासों ने पुरानी बस्तियों को कठोर ऊंची इमारतों से बदल दिया, जिससे वर्षों में विकसित सामाजिक और पारिस्थितिक तंत्र टूट गया।

इन तमाम उदाहरणों में एक पैटर्न उभरता है–पारिस्थितिकी की सुनियोजित अनदेखी। 'स्मार्ट सिटीज़ मिशन' ने पर्यावरणीय स्थायित्व की बजाय ठोस बुनियादी ढांचे–कांक्रीट की सड़कें, 'कमांड सेंटर्स,' निगरानी कैमरे –को तरजीह दी। शहरी झीलों का संरक्षण नहीं, सिर्फ सौंदर्यीकरण हुआ। पार्कों में 'वाई-फाई' और 'एलईडी बोर्ड' तो लगाए गए, लेकिन छांव और सफाई की कोई व्यवस्था नहीं हुई। तकनीकी चमक ने इस खोखलेपन को ढक दिया। स्मार्ट सड़कों का निर्माण बिना जल-निकासी योजना के हुआ। फुटपाथ बिछाए गए, मगर उनके जुड़ाव या सुगमता की परवाह नहीं की गई। नदी किनारे के तटबंध बनाए गए, जबकि ऊपरी हिस्सों की आर्द्रभूमियों को पाटा गया।

हालांकि नागरिक सिर्फ मूक दर्शक नहीं बने रहे। कई शहरों में साझा संसाधनों के दुरुपयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए। बेंगलुरु में निवासियों ने 'हेब्बल झील' के निजीकरण के खिलाफ अभियान चलाया। जयपुर में, जब स्थानीय प्रशासन 'स्मार्ट सिटी' की मान्यता पाने की कोशिश कर रहा था, तब सुप्रीमकोर्ट ने 'जलमहल झील' को प्रदूषित करने पर फटकार लगाई। नवी-मुंबई में पर्यावरण समूहों ने तब चेतावनी दी जब 'डीपीएस झील' को आसपास के निर्माण के चलते जल-अवरोधों का सामना करना पड़ा। भोपाल में भी आम लोगों के विरोध के चलते शहर के फेंफड़े माने जाने वाले खुले इलाकों से प्रस्तावित 'स्मार्ट सिटी' को हटाया गया।

इससे भी ज्यादा चिंताजनक था, तकनीक पर आंख मूंदकर भरोसा करना। शहरों ने करोड़ों रुपये 'इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर्स,' 'ट्रैफिक सेंसर' और 'निगरानी नेटवर्क' पर खर्च किए। इसके बावजूद साफ हवा, प्रभावी जल-निकासी और सुरक्षित पैदल यातायात जैसी बुनियादी समस्याएं जस-की-तस रहीं। एक समीक्षक ने ठीक ही कहा, 'आपके पास यह बताने वाला ऐप तो हो सकता है कि अगली बस कब आएगी, लेकिन उसका क्या फायदा अगर बस-स्टॉप या वहां तक पहुंचने के लिए फुटपाथ ही नहीं है?'

'स्मार्ट सिटी मिशन' अपने मौजूदा स्वरूप में भारतीय शहरी विकास की एक गहरी बीमारी को उजागर करता है–बिना सामाजिक और पारिस्थितिक जटिलताओं को समझे आधुनिक दिखने की चाह। साझा संसाधन–वे अव्यवस्थित, जीवंत और साझा स्थान–जो बाजारीकरण का विरोध करते हैं, 'स्मार्ट सिटी' की कल्पना के लिए हमेशा असुविधाजनक रहे। उनका आसानी से व्यवसायीकरण या मानकीकरण नहीं किया जा सकता था, इसलिए उन्हें मिटा दिया गया, घेर दिया गया या इस हद तक पुनर्परिभाषित कर दिया गया कि उनका मूल स्वरूप ही खो गया।

फिर भी, भविष्य मिटाने की इस प्रक्रिया का विस्तार नहीं होना चाहिए। जब शहर जलवायु परिवर्तन, सामाजिक असमानता और सार्वजनिक विश्वास के संकट से जूझ रहे हैं, तो यह एहसास बढ़ रहा है कि स्मार्टनेस को नए सिरे से परिभाषित किया जाना चाहिए – सेंसर की संख्या या स्मार्ट सड़कों के वर्ग मीटर से नहीं, बल्कि इस बात से कि कोई शहर कितना समावेशी, सुगम, सांस लेने लायक और लोकतांत्रिक है। तब शहरी भारत स्मार्ट नहीं, बल्कि बुद्धिमान भी बन सकेगा। (सप्रेस)

महिला किसान दिवस विशेष

निलेश देसाई

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

अदृश्य किसान : महिलाओं का अदृश्य श्रम और मान्यता की लड़ाई

भारत की खेती की छवि में अक्सर पुरुष किसान को ही केंद्र में रखा जाता है – हल की कमान थामे, मंडी में उपज बेचते, और कृषि नीति के दस्तावेज़ों में प्रमुख भूमिका निभाते हुए। पर असल खेतों में जो दिन-रात मेहनत करता है, जो बीज चुनता, रोपाई करता, कटाई के बाद अनाज को घर की रसोई तक पहुँचाता है – वह अधिकतर बार एक महिला होती है। फिर भी नीतिगत दृष्टि और सार्वजनिक धारणा दोनों में वह लगभग गायब है। यही वह गहरी असमानता है जो भारतीय कृषि की रीढ़ को अदृश्य बनाती है।

गांवों की कहानियाँ और स्थानीय अनुभव साफ बताते हैं कि कृषि कार्य का बहुत बड़ा हिस्सा महिलाओं के कंधों पर टिका है। रोपाई, निराई-गुड़ाई, बीज संरक्षण, कटाई, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण – इन सबमें उनकी भूमिका निर्णायक है। इसके बावजूद, भूमि स्वामित्व, कृषि ऋण, बीमा या सरकारी योजनाओं में उनका प्रतिनिधित्व अत्यंत सीमित है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक पहचान, निर्णय-शक्ति और अधिकारिता से भी जुड़ी हुई है।

इस अदृश्यता की जड़ें गहरी सामाजिक संरचनाओं में हैं। ग्रामीण इलाकों में भूमि का स्वामित्व अब भी प्रायः पुरुषों के नाम दर्ज होता है – पितृसत्तात्मक विरासत, विवाह व्यवस्था और सामाजिक मान्यताओं के कारण। नतीजतन महिलाएं भूमि की वास्तविक उत्पादक होते हुए भी कानूनी रूप से 'किसान' नहीं मानी जातीं। कृषि नीति और बैंकिंग प्रणाली भूमि स्वामित्व के आधार पर चलती हैं, जबकि खेती का अधिकांश काम और निर्णय महिलाएं करती हैं। वे खेतों की जीवंतता बनाए रखती हैं, पर नीति की नज़र में 'सहयोगी' बनी रहती हैं। मीडिया, शिक्षण सामग्री और विज्ञापन में भी किसान की छवि पुरुष की ही होती है – यही प्रतीक समाज की सामूहिक धारणा को दिशा देता है।

जनगणना और कृषि सर्वेक्षणों में भी महिलाओं की भूमिका अक्सर अस्पष्ट रहती है। अधिकांश प्रश्नावली भूमि स्वामी या 'मुख्य किसान' पर केंद्रित होती है, जिससे महिलाओं का योगदान दर्ज़ ही नहीं होता। यह डेटा-अंधापन नीतिगत अंधेपन में बदल जाता है। जब श्रम दिखाई नहीं देता, तो नीति भी उस पर केंद्रित नहीं होती।

इस अदृश्य श्रम के परिणाम गहरे हैं। भूमि या ऋण तक पहुँच न होने से महिलाएं आर्थिक निर्णयों में भाग नहीं ले पातीं। उनकी आय, बचत और पूँजी संचय की क्षमता सीमित रहती है। जब समाज उनके श्रम को पहचान नहीं देता, तो इसका सीधा असर उनकी आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी पर पड़ता है। सरकारी योजनाएँ भी तब तक प्रभावी नहीं हो सकतीं, जब तक वे महिलाओं की वास्तविक भूमिकाओं को ध्यान में रखकर न बनाई जाएँ। उदाहरण के लिए, यदि बीज बैंक, पशुपालन या खाद कार्यक्रम केवल पुरुष मुखिया के माध्यम से संचालित हों, तो वास्तविक उपयोगकर्ता यानी महिलाएं उनसे जुड़ नहीं पातीं। आपदा या जलवायु संकट की स्थिति में जब मुआवजा और बीमा का अधिकार पुरुषों के नाम पर होता है, तो परिवार की आजीविका और पोषण सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है।

झाबुआ जैसे आदिवासी इलाकों में यह स्थिति और गहराई से महसूस होती है। संपर्क संस्था के लंबे अनुभव बताते हैं कि महिलाएं खेती की हर प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। वे ही बीजों का चयन और संरक्षण करती हैं, पौधों की रोपाई, निराई-गुड़ाई, जैविक खाद की तैयारी, फसल कटाई और पशुपालन तक हर काम संभालती हैं। इन कार्यों में उनका पारंपरिक ज्ञान, मौसमी समझ और बारीकी से जुड़ी मेहनत ही स्थानीय खेती को टिकाऊ बनाए रखती है। विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के परिवारों में महिलाएं खेत और घर के बीच पुल की तरह हैं – एक ओर वे उत्पादन में लगी हैं, दूसरी ओर घर की खाद्य सुरक्षा और पोषण की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है।

संपर्क संस्था द्वारा संचालित कई गांवों में जब 'महिला खेत पाठशालाएं' शुरू की गईं, तो यह पहली बार सामने आया कि महिलाएं कितनी गहरी कृषि समझ रखती हैं। मिट्टी परीक्षण, देसी बीजों की पहचान, गोमूत्र और नीम से जैविक घोल तैयार करने की विधियां – ये सब वे सहज रूप से जानती थीं। परंतु जब प्रशिक्षण या योजना की बात आती थी, तो सरकारी अभिलेखों में किसान के रूप में केवल पुरुष का नाम दर्ज होता था। परिणामस्वरूप महिलाएं कृषि ऋण, फसल बीमा, या किसान क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाओं से वंचित रह जाती थीं।

झाबुआ में कई बार यह भी देखा गया कि जब सूखा या बेमौसमी वर्षा ने फसल को नुकसान पहुंचाया, तो महिलाओं ने ही वैकल्पिक आजीविका के उपाय खोजे – सब्जी बाड़ी, बकरी पालन, या देसी बीजों का आदान-प्रदान। संपर्क संस्था द्वारा संचालित 'पशु सखी' कार्यक्रम में दर्जनों महिलाएं प्रशिक्षित होकर न केवल अपने गांव में पशु स्वास्थ्य की सेवा दे रही हैं, बल्कि अतिरिक्त आमदनी भी अर्जित कर रही हैं। इससे यह सिद्ध हुआ कि जब महिलाओं को निर्णय का अधिकार और तकनीकी सहयोग मिलता है, तो वे न केवल उत्पादन बढ़ाती हैं बल्कि पूरे समुदाय की आर्थिक स्थिरता को भी मजबूत करती हैं।

जलवायु परिवर्तन के दौर में यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। जब वर्षा चक्र अनिश्चित हो रहे हैं, जलस्रोत सूख रहे हैं, और मिट्टी की उर्वरता घट रही है, तब महिलाएं अपने अनुभव और पारंपरिक ज्ञान से अनुकूलन के नए रास्ते खोज रही हैं। झाबुआ के कुछ गांवों में महिलाओं ने सामूहिक रूप से देसी बीज बैंक बनाए हैं, स्थानीय फसलों की मिश्रित खेती शुरू की है और खेतों में जल संरक्षण के लिए छोटे-छोटे गड्ढे और बोरी बंधान तैयार किए हैं। यह कार्य संपर्क संस्था के मार्गदर्शन में हुआ है, पर असली नेतृत्व गांव की महिलाओं ने ही निभाया है। उनके अनुसार 'जल और बीज दोनों को बचाना ही आने वाले समय में खेती को बचाना है।'

कृषि नीति के स्तर पर देखें तो महिला किसानों की पहचान अभी भी अधूरी है। भूमि का स्वामित्व प्रायः पुरुषों के नाम पर होता है, जिससे महिलाएं 'सहायक' के रूप में देखी जाती हैं, 'निर्णयकर्ता' के रूप में नहीं। संपर्क के अनुभव बताते हैं कि जहां-जहां भूमि का संयुक्त स्वामित्व पति-पत्नी के नाम पर हुआ, वहां महिलाओं की भागीदारी निर्णयों में स्पष्ट रूप से बढ़ी है। वे न केवल तकनीकी सलाह लेती हैं, बल्कि बाजार से सौदे भी खुद तय करने लगी हैं। यह आत्मविश्वास केवल अधिकार से आता है।

नीतियों में भी अब यह मान्यता दी जानी चाहिए कि किसान केवल वह नहीं जो हल चलाता है, बल्कि वह भी जो मिट्टी की नमी, बीज की पहचान, पशु की सेहत और घर की थाली – सबके बीच संतुलन बनाए रखता है। किसान एक प्रक्रिया है, और इस प्रक्रिया का आधा हिस्सा महिलाएं निभा रही हैं। यदि हम टिकाऊ और न्यायपूर्ण कृषि की दिशा में बढ़ना चाहते हैं, तो महिला किसानों को नीति, योजना और संसाधनों में बराबर की हिस्सेदारी देना अनिवार्य है।

झाबुआ के अनुभव यह भी बताते हैं कि जब महिलाएं संगठित होती हैं, तो केवल खेत ही नहीं, पूरा समुदाय बदलता है। महिला किसान समूहों ने न केवल अपनी खेती सुधारी, बल्कि गांवों में बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वच्छता के मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने सिद्ध किया कि 'कृषि' केवल उत्पादन नहीं, बल्कि जीवन जीने की सामूहिक प्रक्रिया है।

भारत के खेतों में हर उगती फसल, हर बोया बीज किसी न किसी महिला के हाथों से जुड़ा है। फिर भी जब नीतियां बनती हैं, तो उनका नाम सूचियों में नहीं होता। अब समय है कि यह अदृश्यता समाप्त हो। खेत की आधी आबादी को नीति में आधी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। जब महिलाएं किसान के रूप में पहचानी जाएंगी, तभी भारतीय कृषि सचमुच 'समानता, स्थायित्व और सम्मान' की दिशा में आगे बढ़ेगी।

हनुमानजी और ट्रंप का अजब सपना

कटाक्ष

श्याम यादव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देर रात तक अपने से दबे हुए देशों की सूची देख रहे थे। वे सोच रहे थे कि किस देश पर कितना शुल्क लगाना है, ताकि सब अमेरिका के अधीन रहें। इसी सोच-विचार में उनकी आंख लग गई और वे एक अनोखे सपने में पहुंच गए। सपने में उन्होंने देखा कि अमेरिका में भगवान हनुमान जी की विशाल प्रतिमा लगाई जा रही है। मैदान में भारी भीड़ है। कोई फोटो ले रहा है तो कोई वीडियो बना रहा है, बच्चे जयकारे लगा रहे हैं। प्रतिमा इतनी ऊँची थी कि बादलों को छूती हुई लग रही थी।

भीड़ में कोई बोला कि अगर इसे न्यूयॉर्क के बीचों बीच रख दिया जाए तो गाड़ियों का जाम कभी न खुले। दूसरा बोला कि अब स्वतंत्रता देवी की प्रतिमा (स्टेचू आफ लिबर्टी)को विश्राम दे दो, नया नायक आ गया। कुछ युवक हँसते हुए बोले 'अगर हनुमान जी उड़ने लगे तो वायुसेना का आधा खर्च बच जाएगा।' भीड़ में किसी ने ऊँची आवाज़ में कहा कि अगर ट्रंप शुल्क बढ़ाएं तो हनुमान जी गदा उठाकर पूछेंगे, अब बताओ कितना बढ़ाना है? इतने में एक ने जोड़ा कि और अगर पेट्रोल महँगा हुआ तो, हनुमान जी तो पूरा पहाड़ उठा लाएंगे, तेल का क्या।

ट्रंप यह सब देखकर घबरा गए। उनके दिमाग में बने सारे आंकड़े और योजनाएं जैसे मिट गए। उन्हें लगा कि गदा, विश्वास और आस्था के सामने डॉलर और व्यापारिक चालें कितनी छोटी हैं। सपने का दृश्य बदला। हनुमान जी व्हाइट हाउस की ओर बढ़ रहे थे। उनके कदमों से धरती कांप रही थी। कारोबारियों के दफ्तरों में कागज़ उड़ रहे थे, चार्ट झूल रहे थे। तभी किसी ने पूछा कि अब

देश की आमदनी क्या होगी? उत्तर मिला 'अब आमदनी नहीं, जयधनी चलेगी। जय श्रीराम, भरोसे की शक्ति।'

ट्रंप की टीम घबराई हुई थी। किसी ने कहा 'सर, यह श्रद्धा की वृद्धि है। ट्रंप बोले कि तो अब हमें मंदिर नीति बनानी पड़ेगी क्या? इतने में किसी ने एक तख्ती उठा रखी थी, जिस पर लिखा था कि गदा में भरोसा है। ट्रंप ने देखा यह वही वाक्य था जो उन्होंने डॉलर पर लिखवाया था 'ईश्वर में भरोसा है।' अब बस एक शब्द बदल गया था। उन्होंने देखा कि हनुमान जी मुस्कुरा रहे हैं, जैसे कह रहे हों 'शुल्क से नहीं, सेवा से दुनिया चलती है। ट्रंप पसीने से भीग गए। आंख खुली तो चारों ओर सन्नाटा था। घड़ी की सुइयाँ तीन बजा रही थीं। उन्होंने पानी पिया और धीरे से कहा 'जय श्रीराम।'

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

विनोद कुमार विक्की

लेखक व्यंग्यकार हैं।

तुम मेरे ना हुए, ना सही...

थम्मा मूवी का गीत तुम मेरे ना हुए ना सही... मानो ट्रंप ताऊ और नोबेल पुरस्कार के आपसी लगाव को ध्यान में रखकर लिखा गया है।

स्वघोषित युद्ध विराम पुरुष का हक मार कर मारिया ने इस वर्ष का नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त कर लिया। नार्वेजियन नोबेल समिति द्वारा पूंजीवादी गतिविधियों की होड़ में लोलुपता पर लोकतांत्रिक गतिविधियों की सक्रियता को प्राथमिकता दिए जाने के निर्णय ने युद्ध विराम पुरुष की बेचैनी बढ़ा दी है। तकलीफ़ ऐसी कि ना दिखा सके और ना छुपा सके। स्वयंवर समारोह से बिना दुल्हन के लौटने वाले सम्राट की पीड़ा, तन,मन,धन, यौवन समर्पित करने के बावजूद चुनाव में पार्टी का टिकट नहीं मिलने वाले प्रत्याशी की वेदना भी उनकी तकलीफ़ के सामने फीकी लग रही है। जिस प्रकार जोमैटो, स्विगी अथवा ऑनलाइन मार्केटिंग करने पर प्राप्त लाखों रूपए के इनामी कूपन को स्क्रैच करने पर उपभोक्ताओं को 'बेटर लक नेक्स्ट टाइम' लिखा हुआ ज्ञान प्राप्त होता है। कमोबेश उसी तरह विश्व शांति पुरुष स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

युद्ध विराम पुरुष को महमूद की तरह 'मैं तेरे प्यार में क्या-क्या ना बना दिलबर...' की तर्ज़ पर शांति नोबल के लिए क्या-क्या नहीं करना पड़ा। कभी आतंकी राष्ट्रों से मित्रता, कभी शांति प्रिय राष्ट्रों से शत्रुता, तो कभी कौआ काटने की जोखिम के बावजूद धारा प्रवाह झूठ पर झूठ बोलना। वेनेजुएला की मारिया के खाते में शांति का नोबेल को जाते देख युद्ध विराम पुरुष मन ही मन आमिर खान बन 'तू प्यार है किसी और का, तुझे चाहता कोई और है...' गुनगुनाते फिर रहे होंगे। भ्रांति की आड़ में शांति पुरस्कार की जद्दोजेहद कर रहे युद्ध विराम पुरुष को काफी पिज्जा बेलना पड़ गया। नोबेल की माया के वशीभूत युद्ध विराम पुरुष ने टैरिफ ओवरकोट पर अमन और शांति का चोला धारण कर लिया था। ऐसा लग रहा था मानो विश्व शांति पुरुष के पार्थिव शरीर में मोहनदास करमचंद गांधी एवं मार्टिन लूथर किंग की संयुक्त आत्मा प्रवेश कर चुकी है और शांति नोबल प्राप्त करने को ललकार रही है। बकायदा उन्होंने शांति पुरुष बनने का क्रैश कोर्स भी किया। जिस कारण लंबी नाक वाले युद्ध विराम पुरुष वैश्विक स्तर पर दो देशों के आपसी विवाद में अपनी नाक घुसेड़ दिया करते थे।

स्वघोषित अंतरराष्ट्रीय शांति पुरुष सभी अंतरराष्ट्रीय युद्धों में स्वयं को युद्ध विराम पुरुष मान कर आत्ममुग्ध और आह्लादित हुआ करते थे। शांति नोबल पुरस्कार पाने को लहालोट थे। विश्व पटल पर यद्ध सामग्री बेचने वाले शांति की बात करते देखे गए।

गौरतलब है कि शांति पुरुष नोबेल के चक्कर में ग्लोबल से बिलो लेवल भी होना पड़ा। नोबेल के मोहपाश में इनके बावलापन के सामने छपास मोह के वशीभूत रचनाओं के प्रकाशन की लालसा रखने वाले लेखक, तालियों के ग्लूकोज से ऊर्जा प्राप्ति हेतु कविता पाठ करने को बेताब कवि अथवा लाईक,कमेंट और शेयर की उत्कंठा वाले रील इंफ्लुएंसर का फूहड़पन भी उतावलापन की गुणवत्ता को चुनौती देने से पहले एक सौ इक्यावन बार सोचें। महाशय ने अपनी नाक ऊंची रखने के लिए मित्रों के कान काटने से भी गुरेज नहीं किया। दुखद बात यह है कि नोबेल की अभिलाषा में महाशय जी गजनी के आमिर खान वाली शॉर्ट टर्म मेमोरी लॉस महारोग से ग्रसित भी हो गए। अपने गोरे चमड़े की जुबान से पिछली रात किस देश के बारे में क्या बका है अगली सुबह भूल जाते हैं। शांति पुरुष कब किस देश की तारीफ़ कर दें और किस देश पर टैरिफ लगा दें यह देवो न जानाति कुतो मनुष्यः अर्थात् समझ पाना काफी मुश्किल है। आतंकी राष्टों के प्रति भाई गिरी एवं प्रतिस्पर्धी राष्ट्रों के प्रति दादागिरी का भाव दिल में रखते हुए भाषा और भाषण में इज़हार भी कर दिया करते हैं।

सच पूछिए तो नोबेल मेनिया से ग्रसित शांति पुरुष की हृदय वेदना का इलाज एलौपैथी, होम्योपैथी, नेचुरोपैथी में भी नहीं है। बहरहाल 10 दिसंबर को मारिया कोरीना के हाथों में शांति नोबल पुरस्कार देखकर 'मेरी किस्मत में तू नहीं नोबेल, क्यों तेरा इंतज़ार करता हूं...' बुदबुदाने वाले विश्व शांति पुरुष के प्रति टैरिफोपैथी पीड़ाहारी सहित हमारी ढ़ेर सारी सिम्पैथी है।

कला

पंकज तिवारी

कला समीक्षक

कलाकृतियों को देखने हेतु बदलना होगा नजरिया

आज भी जब हम सजावट में कुछ अलग करना चाहते हैं कुछ विशेष की उत्पत्ति हो जाती है जिसके निर्माण में विज्ञान भले ही होता होगा पर कला भी जरूर होती है। मन जैसे ही कुछ सोचता है कला की प्रक्रिया गतिमान हो जाती है। समाज निर्माण के बाद तो बहुत ही बदलाव आया और इन सभी चीजों के साथ सबसे तेजी से जो बदला वो कला ही थी। समय के साथ कला के रुपों और माध्यमों में खूब बदलाव हुए। कला नये-नये रूपों में हमारे सामने रही। घर में नानी, दादी, चाची जब कुश से डोल्ची, सलाई से स्वेटर, कंटोपा, तोड़न बनाती थीं तो हमें उसमें कला कभी नजर नहीं आयी पर आज जब बड़े-बड़े कला दीर्घाओं में बड़े से कैनवास पर उसी तोड़न का कोई टुकड़ा या पूरा तोड़न ही लगा कर कुछ रंगों के साथ संयोजित कर दीवाल पर टांग दिया जाता है तो वो बड़ी और खूबसूरत कलाकृति बन जाती है।

जीवन, मरण, आना-जाना, हमेशा से रहा है। धरा, धरा के ऊपर बसे हर एक जीव, प्राणी की तारतम्यता हमेशा से जस की तस रही है। कुछ विलुप्त तो कुछ प्रकट होने वाली श्रेणी में भी है पर एक बात तो तय है कि सृष्टि में कुछ भी अनायास ही नहीं होता, उसके होने का कारण भले हमारे समझ से परे हो पर उसका होना किसी न किसी कारण से ही होता है। संजीवनी बूटी पहले बस एक फालतू सी घास ही रही होगी पर बाद में उसकी भूमिका पूरे भूमि हेतु महत्वपूर्ण बन गई। धरा पर लोगों का रहना समय के साथ बाद में सामाजिक परिवेश के साथ देखा जाने लगा पर जब इंसान इन सभी से बिलग अकेले ही रह रहा होगा अपने को या अपने आसपास को साफ-सुथरा, स्वच्छ बनाने के प्रयास में रहा होगा जिसके हेतु उसे सजाने के लिए उसके मन में कुछ न कुछ उपाय जरूर कौंधे होंगे। आज भी जब हम सजावट में कुछ अलग करना चाहते हैं कुछ विशेष की उत्पत्ति हो जाती है जिसके निर्माण में विज्ञान भले ही होता होगा पर कला भी जरूर होती है। मन जैसे ही कुछ सोचता है कला की प्रक्रिया गतिमान हो जाती है। समाज निर्माण के बाद तो बहुत ही बदलाव आया और इन सभी चीजों के साथ सबसे तेजी से जो बदला वो कला ही थी। समय के साथ कला के रुपों और माध्यमों में खूब बदलाव हुए। कला नये-नये रूपों में हमारे सामने रही। घर में नानी, दादी, चाची जब कुश से डोल्ची, सलाई से स्वेटर, कंटोपा, तोड़न बनाती थीं तो हमें उसमें कला कभी नजर नहीं आयी पर आज जब बड़े-बड़े कला दीर्घाओं में बड़े से कैनवास पर उसी तोड़न का कोई टुकड़ा या पूरा तोड़न ही लगा कर कुछ रंगों के साथ संयोजित कर दीवाल पर टांग दिया जाता है तो वो बड़ी और खूबसूरत कलाकृति बन जाती है। क्या यहां पर कला बदली है या हमारी सोच जो उम्र के साथ भी बदलती है। कभी-कभी सदियों तक कला हमारे सामने पड़ी होती है पर हम उसे पहचान तक नहीं पाते। एक प्रदर्शनी में खपड़े और घोरियों को संयोजित कर गज़ब की कलाकृति बनाई गई थी।

तो क्या कमी कला में है या हमारे दृष्टि में है या कला थी ही नहीं कह कर हम अपना पीछा छुड़वा लेने से खुद को उस पूरे प्रक्रिया से ही अलग कर धन्य महसूस कर लेते हैं। प्रश्न तो हमेशा से ही रहा है, था और रहेगा।

समय के साथ लोग, शासन एवं रहन-सहन जिस तरीके से बदलता है कुछ ऐसे ही कला भी बदलती और अपनी यात्रा तय करती रहती है, हाँ इसी बीच कभी वो उफान पर होती है तो कभी तूफान से प्रभावित हो अपने अस्तित्व को बचाने हेतु संघर्षरत तो कभी किसी के शासनकाल में सुप्तावस्था को प्राप्त कर जाती है पर होती जरुर है। बात जब शासन-प्रशासन से परे की थी कला तब भी थी।

'ईळते त्वामवस्यवः कण्वासो वृक्तबर्हिषः।
हविष्मन्तो अरङ्कृतः।।' (ऋ01/14/05)

ऋग्वेद के इस मंत्र में ईश्वर के दर्शन और प्राप्ति के संबंध में गहराई से बात कही गई है और इसी बहाने कुछ विशेष कला के भी दर्शन यहाँ हुए हैं, कला के प्राप्ति एवं दर्शन हेतु भी ये मंत्र प्रासंगिक है। कोई (अवस्यवः) डर से या अपने गलती पर पर्दा लगाने के गरज से भक्ति करता है या ईश्वर को याद करता है तो कोई प्रतिभा, विद्वता या ज्ञान (कण्वासः) के भरोसे प्रभु में लीन होना चाहता है और कुशा को काट कर सुन्दर तरीके से साफ-सफाई के साथ, सुन्दर पात्रों को सजा कर या (वृक्तबर्हिष) यज्ञ में गंदगी, खर-पतवार, झाड़-झंखाड़ आदि को हटाकर, धरा को समतल कर, सुन्दर आसन बिछाकर मन के भीतर के गंदगियों, काम, क्रोध, लोभ आदि से विरत हो कर ध्यान करता है, जिस भांति (हविष्मन्तः) यज्ञ में आहुति हेतु प्रयोग होने वाली हवि को पहले साफ-सुथरा, पवित्र किया जाता है उसके बाद ही प्रयोग किया जाता है उसी प्रकार

(अरङ्कृत) सांसारिक झंझटों से मुक्त हो कुछ पाने विशेषतः ईश्वर के दर्शन हेतु जब हम बैठते हैं तो दर्शन

की प्राप्ति अवश्य हो जाती है। कलाकारों के साथ भी कुछ ऐसा ही है। सांसारिक झंझटों, झंझावातों से अलं (बस कर लेना) कर लेने के बाद तो कोई भी ऐसा कार्य नहीं है जिसे नहीं किया जा सकता। कला में भी कुछ खुद को सभी से अलग करते हुए ऋषियों की भांति सभी मद, मोह, क्रोध, लोभ से विरत बस लगे होते हैं और निरंतर लगे होते हैं, सफलता उन्हें जरूर मिलती है, जिसका जीता-जागता उदाहरण अजंता की प्राचीन गुफाएँ और कलाकृतियाँ हैं। गांवों में वर्ष के हर महीनों में कोई न कोई विशेष तीज-त्योहार जरूर पड़ते हैं और सभी के अपने-अपने विधान हैं और सभी में किसी न किसी रूप में कला की जरूरत जरूर महसूस की जाती है। कला का रूप और क्षेत्र दोनों व्यापक है बस हमें एक बिमारी सी हो गई है कि जिस पर किसी संस्थान की मुहर या किसी डिग्री की छाप न हो उसे हम कलाकार मानने को तैयार ही नहीं होते बावजूद इसके भारत के या अन्यत्र भी हर गांव और घर से कलाकृतियां बनकर निकलती है। अभी को ही ले लीजिए दीपावली आने को है खैर अब तो पक्के घरों का बोलबाला है। जब बखरियां होती थी तो पिड़ोर से बाकायदा लिपाई होती थी जो धूप का साथ पाते ही चमक उठती थी। बांस के कैनियों को कूंच कर कूंची का रूप दिया जाता था और दीवालों पर तरह-तरह की आकृतियां बनाई जाती थीं जो सभी घरों में होता था तो क्या हर घर को कलाकारों का घर नहीं कहा जा सकता है। बुढ़िया दादी का गंउखा और झरोखों को लीपते वखत रंगना की डिबिया में अंगुली डुबो कर और उसी अंगुली से गंउखा के चारों तरफ बनाई गई टेढ़ी-मेढ़ी आकृतियां क्या किसी कलाकृति से कमतर होती है। बच्चे खेल-खेल में घर के सामने छोटे-छोटे मंदिर बनाते हैं, सजाते हैं दीवाली हेतु रंग-बिरंगे माहौल का निर्माण करते हैं, फटे-पुराने कपड़ों का उपयोग कर कुछ विशेष बना जाते हैं, हउदा जहां गाय-भैंस के खाने का प्रबंध होता है उसे भी बाकायदा सजाया जाता है, पेड़-पौधों के चबूतरे बना कर उसे चित्रित किया जाता है। रंग-रंग के मिट्टी के बर्तनों और खिलौनों को बनाया जाता है। लकड़ी, मिट्टी, लोहे आदि की विभिन्न प्रकार की वस्तुएं शुरू से ही बनती रही है बस हम उसे कला नहीं मानते थे मसलन एक बढ़ई जब खूब मेहनत कर दिमाग लगा कर एक उत्कृष्ट दरवाजा बनाता है हम उसे भी कला नहीं मानते अगर वही दरवाजा किसी डिग्रीधारी ने बनाया होता और किसी महान मनुष्य के यहां प्रदर्शन हेतु रखा होता या किसी दीर्घा में प्रदर्शित होता तो उसी को उत्कृष्ट कलाकृति का दर्जा मिल जाता। कमी हममे या हमारी सोच में है या कलाकार, कलाकृति में है समझना होगा।

समय के साथ कुछ तो बहुत आगे बढ़ जाते हैं जबकि कुछ परिस्थितियों के दास बन दाम, काम और भय के कारण अपने कर्म से विरत हो जाते हैं, ऐसे समय में कला की हानि भी होती है। मध्यकालीन अपभ्रंश शैली कुछ ऐसी ही परिस्थितियों से गुजरी हुई जान पड़ी है।

'सुरूपकृत्नुमूतये सुदुघामिव गोदुहे।
जुहूमसि द्यविद्यवि।' (ऋ01/04/01)

कैल्शियम, प्रोटीन, वशा, लैक्टोज, अमीनो एसिड जैसे पदार्थों से भरपूर, उत्तम, पौष्टिक दूध देने वाली गायों को जिस प्रकार श्रेष्ठता के आवरण में रखा जाता है, सत्कार किया जाता है और दुग्ध दोहन हेतु उपयोग किया जाता है है उसी प्रकार हमें भी प्रतिदिन विशेष, उत्तम, रुचिकर, आवश्यक, पदार्थों, विषयों, वस्तुओं, ज्ञान आदि को उत्पन्न करने या विकसित करने या क्रियान्वित करने वाले चतुर विद्यावान, विद्वान, कलाविद्, विचारक आदि को प्राप्त करने का प्रयास करने चाहिएं, संपर्क साधने का प्रयास, सानिध्य प्राप्ति का प्रयास या सभी गुणों के उत्पादक श्रेष्ठ परमेश्वर की स्तुति करनी चाहिए। दूध प्राप्ति के लिए जैसे गाय की सेवा आराधना की बात जगजाहिर है ठीक ऐसे ही उत्तम गुण प्राप्ति हेतु गुणी व्यक्ति, ज्ञानी, गुरु, आचार्य, रक्षा के लिए राजा और उत्तम शिल्प हेतु श्रेष्ठ शिल्पी की सेवा, आराधना करनी चाहिए। प्रकाशित कलाकृति बिकाश भट्टाचार्जी की है।

पर्यावरण एवं स्वास्थ्य

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं।

डायपर उद्योग की चमक के पीछे छिपा कचरे का अंधेरा

दुनिया भर में बच्चों के लिए डिस्पोज़ेबल नैपी यानी डायपर का इस्तेमाल पिछले कुछ दशकों में बेतहाशा बढ़ा है। यह उद्योग अब केवल एक उत्पाद बेचने का मामला नहीं, बल्कि एक जीवनशैली गढ़ने का हिस्सा बन चुका है। एक तरफ अरबों डॉलर का मुनाफा कमाने वाला यह कारोबार है, तो दूसरी तरफ इसका फैलता दायरा प्रदूषण, कचरे और स्वास्थ्य संबंधी खतरों की एक लंबी श्रृंखला को जन्म दे रहा है।

1956 में प्रॉक्टर एंड गैंबल ने 'पैम्पर्स' के रूप में पहला बड़े पैमाने पर डिस्पोज़ेबल नैपी बाजार में उतारा। यह उत्पाद महज कुछ दशकों में कंपनी का पहला दस अरब डॉलर का ब्रांड बन गया। 2012 में यह मुकाम हासिल हुआ और इसके बाद से बाजार की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही। 2021 में वैश्विक स्तर पर शिशु डायपर की बिक्री 2013 की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक रही।

2020 में इस बाजार का आकार लगभग 50 अरब डॉलर था, जो आज 60 अरब डॉलर पार कर चुका है और 2030 तक इसके 80 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। यह उछाल खासकर ग्लोबल साउथ–एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों–में आक्रामक प्रचार के दम पर आया, जहां अक्सर कचरा प्रबंधन की व्यवस्था कमजोर होती है। नतीजतन, प्रदूषण का बोझ और गहरा जाता है। इंडोनेशिया में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट बताती है कि प्रमुख शहरों की नदियों में पाए जाने वाले कुल कचरे का 21 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ नैपी का है।

लंदन से प्रकाशित पर्यावरण पत्रिका 'द इकोलाजिस्ट' में एडम रामसे की शोधपरक रिपोर्ट बताती है कि बड़ी कंपनियों ने आक्रामक मार्केटिंग और सुनियोजित संदेशों के जरिए माता-पिता को बच्चों की पॉट्टी ट्रेनिंग देर से कराने के लिए प्रेरित किया। तर्क यह दिया गया कि डायपर से बच्चे ज्यादा आराम में रहते हैं, नींद बेहतर आती है और माता-पिता को झंझट कम होता है। लेकिन इसके पीछे का असली मकसद खपत और बिक्री दोनों में इजाफा करना था।

ब्रिटेन में 1940 से 1970 के दशक के बीच बच्चे औसतन 12 से 18 महीने की उम्र में पॉट्टी ट्रेन हो जाते थे। लेकिन 2004 तक यह औसत 2.5 वर्ष हो गया और 2021 में यह बढ़कर 3.5 वर्ष तक पहुँच गया। इसका सीधा अर्थ है कि हर साल लगभग एक अरब अतिरिक्त डिस्पोज़ेबल नैपी का इस्तेमाल होने लगा। कंपनियों ने यहीं नहीं रुककर 'ट्रेनिंग पैंट्स' और पांच साल से अधिक उम्र के बच्चों के लिए भी नैपी लॉन्च कर दिए, ताकि यह आदत लंबी खिंच सके।

विशेषज्ञ मानते हैं कि पॉट्टी ट्रेनिंग का सही समय 20 से 30 महीने के बीच होता है। इसके बाद बच्चों को ट्रेन करना मुश्किल हो जाता है, जिससे वे लंबे समय तक डायपर पर निर्भर रहते हैं। यह न केवल कचरे का पहाड़ खड़ा करता है, बल्कि मूत्र मार्ग संक्रमण जैसी समस्याओं का खतरा भी बढ़ाता है।

भारत में भी यह बदलाव तेजी से नजर आने लगा है। 2014 में भारतीय डायपर बाजार का आकार लगभग 1,400 करोड़ रुपये था, जो 2024 में बढ़कर 5,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया है। अनुमान है कि 2030 तक यह दोगुना हो जाएगा। इसके पीछे तेज़ शहरीकरण, एकल परिवारों की संख्या में वृद्धि और सुविधा-प्रधान जीवनशैली जैसे कारण हैं। दिलचस्प है कि यहां केवल शिशु डायपर ही नहीं, बल्कि वयस्क डायपर का बाजार भी तेजी से फैल रहा है, खासकर बुजुर्ग आबादी और अस्पतालों में।

डायपर के समर्थकों की सबसे बड़ी दलील यही है कि यह समय बचाता है, बच्चे को लंबे समय तक सूखा रखता है और व्यस्त माता-पिता के जीवन को आसान बनाता है। लेकिन सुविधा की यह कीमत केवल जेब से नहीं, पर्यावरण से भी चुकानी पड़ रही है। डिस्पोज़ेबल नैपी लैंडफिल में सैकड़ों साल तक सड़ते रहते हैं। इनमें मौजूद प्लास्टिक आधारित पॉलिमर, सेल्यूलोज पल्प और रसायन 300 से 500 साल में विघटित होते हैं। इस दौरान ये मिट्टी और पानी में प्रदूषक छोड़ते हैं और मीथेन गैस पैदा करते हैं, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान देती है।

दिल्ली जैसे महानगरों में हर दिन लाखों इस्तेमाल किए गए डायपर कचरा स्थलों पर पहुँचते हैं। एक बच्चे के शिशु काल में लगभग पांच से छह हजार डायपर इस्तेमाल हो सकते हैं। भारत में हर साल जन्म लेने वाले ढाई करोड़ बच्चों में से यदि सिर्फ 20 प्रतिशत भी डिस्पोज़ेबल डायपर का इस्तेमाल करें, तो सालाना अरबों डायपर का कचरा पैदा होगा।

शहरी निकाय पहले से ही ठोस कचरा प्रबंधन के बोझ तले दबे हैं। डायपर कचरा इस बोझ को कई गुना बढ़ा देता है क्योंकि यह न तो आसानी से रिसाइकल होता है और न ही सुरक्षित रूप से नष्ट किया जा सकता है। लैंडफिल में पड़े डायपर बारिश के पानी के साथ मिलकर लीचेट नामक जहरीला तरल बनाते हैं, जो मिट्टी और भूजल को प्रदूषित करता है। यह कचरा जैविक कचरे के साथ मिलकर सड़ता है, बदबू फैलाता है और मीथेन गैस छोड़ता है। जब यह पानी के स्रोतों में पहुँचता है, तो इनमें मौजूद रसायन जल की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं और जलीय जीवन के लिए खतरा बनते हैं।

डायपर कचरे का संकट केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं–यह सीधा स्वास्थ्य से जुड़ा मामला भी है। इस्तेमाल किए गए डायपर में मानव मल-मूत्र के साथ मौजूद रोगाणु, बैक्टीरिया और वायरस होते हैं। जब इन्हें खुले में या बिना सही प्रोसेसिंग के कचरे में फेंक दिया जाता है, तो ये संक्रमण फैलाने का माध्यम बन सकते हैं।

सिर्फ इतना ही नहीं–डायपर के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रसायनों और सुगंधित परतों में कुछ ऐसे कंपाउंड होते हैं, जो लंबे समय तक त्वचा के संपर्क में रहने से एलर्जी, डायपर रैश, और यहां तक कि हार्मोनल असंतुलन जैसे प्रभाव डाल सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के 2021 के अध्ययन में स्पष्ट कहा गया कि सामान्यतः रीयूज़ेबल नैपी का पर्यावरणीय असर सिंगल-यूज़ डायपर की तुलना में कम होता है, खासकर जब इन्हें नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण-अनुकूल डिटर्जेंट के साथ इस्तेमाल किया जाए। दिलचस्प यह है कि ब्रिटेन की 2008 की एक सरकारी रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रीयूज़ेबल नैपी ज्यादा हानिकारक हैं, लेकिन 2023 में इस रिपोर्ट को अपडेट कर यह माना गया कि समय के साथ नवीकरणीय ऊर्जा और बेहतर धुलाई तकनीकों के चलते इनका असर काफी कम हो गया है।

दुनिया भर में कई जगह अब वैकल्पिक मॉडल को अपनाने की कोशिशें हो रही हैं। कपड़े के डायपर, जिनका इस्तेमाल पीढ़ियों से होता आया है, फिर से लोकप्रियता बटोर रहे हैं। कुछ लोग हाइब्रिड डायपर का इस्तेमाल करते हैं, जिनका बाहरी हिस्सा धोकर दोबारा प्रयोग किया जा सकता है, जबकि केवल अंदरूनी पैड डिस्पोज़ेबल होता है। कुछ शहरों में 'क्लॉथ डायपर बैंक' जैसी पहल भी शुरू हुई हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को मुफ्त या कम कीमत पर पुन- प्रयोग योग्य डायपर उपलब्ध कराती हैं।

इस संदर्भ में कुछ नीतिगत स्तर पर भी बदलाव जरूरी है। जिस तरह प्लास्टिक बैग और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाए गए, उसी तरह डायपर उद्योग के लिए भी मानक तय करने होंगे। कई देशों में पहले से ही 'डायपर रीसाइक्लिंग प्रोग्राम' चल रहे हैं, जिनमें इस्तेमाल किए गए डायपर से प्लास्टिक और जैविक पदार्थ अलग कर पुनः उपयोग में लाए जाते हैं। भारत में भी पायलट प्रोजेक्ट्स के जरिए इस दिशा में शुरुआत की जा सकती है।

विश्व विद्यार्थी दिवस विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ईमानदारी, सादगी, सौम्यता प्रतिमूर्ति थे डॉ. कलाम

देश के महान् वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सच्चे अर्थों में ऐसे महानायक थे, जिन्होंने अपना बचपन अभावों में बीतने के बाद भी अपना पूरा जीवन देश और मानवता की सेवा में व्यतीत कर दिया। छात्रों और युवा पीढ़ी को दिए गए उनके प्रेरक संदेश तथा उनके स्वयं के जीवन की कहानी देश की आने वाले कई पीढ़ियों को भी सदैव प्रेरित करने का कार्य करती रहेगी। न केवल भारत के लोग बल्कि पूरी दुनिया मिसाइलमैन डॉ. कलाम की सादगी, धर्मनिरपेक्षता, आदर्शों, शांत व्यक्तित्व और छात्रों व युवाओं के प्रति उनके लगाव की कायल थी। डॉ. कलाम देश को वर्ष 2020 तक आर्थिक शक्ति बनते देखना चाहते थे। पढ़ाई-लिखाई को तरक्की का साधन बताने वाले डा. कलाम का मानना था कि केवल शिक्षा के द्वारा ही हम अपने जीवन से निर्धनता, निरक्षरता और कुपोषण जैसी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। उनके ऐसे ही महान विचारों ने देश-विदेश के करोड़ों लोगों को प्रेरित करने और देश के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उनका ज्ञान और व्यक्तित्व इतना विराट था कि उन्हें दुनियाभर के 40 विश्वविद्यालयों ने डॉक्ट्रेट की मानद उपाधि प्रदान की।

तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को जन्मे डॉ. कलाम छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए अक्सर कहा करते थे कि छात्रों के जीवन का एक तय उद्देश्य होना चाहिए और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वे हरसंभव स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करें। छात्रों की तरक्की के लिए उनके द्वारा जीवनपर्यन्त किए गए महान कार्यों को देखते हुए ही सन् 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा उनका 79वां जन्म दिवस 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से डॉ. कलाम के जन्मदिवस 15 अक्टूबर को ही प्रतिवर्ष 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। समय-समय पर युवाओं को दिए गए उनके प्रेरक संदेशों की बात करें तो वे कहा करते थे कि यदि आप सूर्य की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलना सीखो। वे कहते थे कि यदि आप फेल होते हैं तो निराश मत होइए क्योंकि फेल होने का अर्थ है 'फर्स्ट अटैंप्ट इन लर्निंग' और यदि आपमें सफल होने का मजबूत संकल्प है तो असफलता आप पर हावी नहीं हो सकती। इसलिए सफलता और परिश्रम का मार्ग अपनाओ, जो सफलता का एकमात्र रास्ता है।

डॉ. कलाम कहते थे कि आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते लेकिन अपनी आदतें बदल सकते हैं और निश्चित रूप से आपकी आदतें आपका भविष्य बदल देंगी। वे हमेशा कहा करते थे कि महान सपने देखने वाले महान लोगों के सपने हमेशा पूरे होते हैं। उनका कहना था कि इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए कठिनाईयां बहुत जरूरी हैं। सपने देखना जरूरी है लेकिन केवल सपने देखकर ही उसे हासिल नहीं किया जा सकता बल्कि सबसे जरूरी है कि जिंदगी में स्वयं के लिए कोई लक्ष्य तय करें। कलाम साहब कहते थे कि इस देश के सबसे तेज दिमाग स्कूलों की आखिरी बेंचों पर मिलते हैं। हम सबके पास एक जैसी प्रतिभा नहीं है लेकिन अपनी प्रतिभाओं को विकसित करने के अवसर सभी के पास समान हैं। सादगी की प्रतिमूर्ति डॉ. कलाम का व्यक्तित्व कितना विराट था, इसे परिभाषित करते कई किस्से भी सुनने को मिलते हैं।

ऐसी ही एक घटना उन दिनों की है, जब डीआरडीओ में 'अग्नि' मिसाइल पर काम चल रहा था और काम के दवाब के चलते उस प्रोजेक्ट से जुड़े हर व्यक्ति को अपने

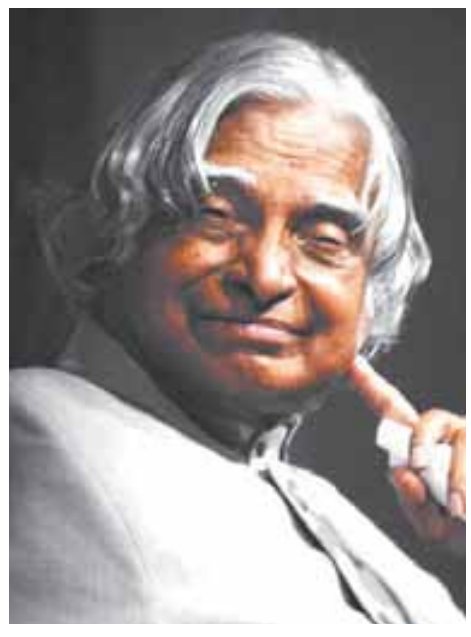

परिवार के साथ बिताने के लिए भी पर्याप्त समय नहीं मिलता था। उसी दौरान इसी प्रोजेक्ट से जुड़े डीआरडीओ में कार्यरत डॉ. कलाम के एक जूनियर वैज्ञानिक ने अपने बच्चों को एक प्रदर्शनी दिखाने ले जाने के लिए उनसे जल्दी घर जाने के लिए छुट्टी मांगी। डॉ. कलाम ने उसे इसकी अनुमति दे दी लेकिन उस दिन कार्य इतना ज्यादा था कि वह जूनियर वैज्ञानिक अपने काम में इस कदर लीन हो गया कि उसे समय का पता ही न चला। दूसरी ओर कलाम साहब ने उसकी व्यस्तता को देखते हुए अपने प्रबंधक को बच्चों को प्रदर्शनी दिखाने के लिए भेज दिया। जब जूनियर वैज्ञानिक देर रात अपने घर पहुंचा, तब उसे कलाम साहब की इस महानता के बारे में ज्ञात हुआ। अगले दिन उनके समक्ष नतमस्तक होकर उसने इसके लिए उनका हृदय से आभार प्रकट किया।

डॉ. कलाम राष्ट्रपति जैसे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन रहते हुए भी आम लोगों से मिलते रहे। एक बार कुछ युवाओं ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की और इसके लिए उन्होंने उनके कार्यालय को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी मिलने के बाद डॉ. कलाम ने उन युवाओं को अपने पर्सनल चैंबर में आमंत्रित किया और वहां न केवल उनसे मुलाकात ही की बल्कि उनके विचार, उनके आइडिया सुनते हुए काफी समय उनके साथ गुजारा।

जिस समय डॉ. कलाम भारत के राष्ट्रपति थे, तब वे एक बार आईआईटी के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पहुंचे। उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए आयोजकों द्वारा उनके लिए मंच के बीच में बड़ी कुर्सी लगवाई गई। डॉ. कलाम जब वहां पहुंचे और उन्होंने केवल अपने लिए ही इस प्रकार की विशेष कुर्सी की व्यवस्था देखी तो उन्होंने उस कुर्सी पर बैठने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने उनके लिए मंच पर लगी दूसरी कुर्सियों जैसी ही कुर्सी की व्यवस्था कराई।

कलाम साहब के हृदय में दूसरे जीवों के प्रति भी किस कदर करूणा और दयाभाव विद्यमान था, इसका अनुमान इस घटनाक्रम से सहज ही लग जाता है। जब 1982 में वे डीआरडीओ के चेयरमैन बने तो उनकी सुरक्षा के लिए डीआरडीओ की सेफ्टी वॉल्स पर कांच के टुकड़े लगाने का प्रस्ताव लाया गया लेकिन कलाम साहब ने यह कहते हुए स्पष्ट इनकार कर दिया था कि दीवारों पर कांच के टुकड़े लगाने से पक्षी नहीं बैठ पाएंगे और ऐसा करने की प्रक्रिया में पक्षी घायल भी हो सकते हैं। इस कारण उस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। राष्ट्रपति जैसे बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी कलाम अपने बचपन के दोस्तों को नहीं भूलते थे। 2002 में राष्ट्रपति बनने के बाद जब एक बार वे तिरुअनंतपुरम के राजभवन में मेहमान थे, तब उन्होंने अपने स्टाफ को वहां के एक मोची और ढ़ाबे वाले को खाने पर बुलाने का निर्देश दिया। सभी उनके इस निर्देश को सुनकर हैरान था। बाद में पता चला कि ये दोनों कलाम साहब के बचपन के दोस्त थे। दरअसल कलाम साहब ने अपने जीवन का बहुत लंबा समय केरल में ही बिताया था और उसी दौरान उनके घर के पास रहने वाले उस मोची तथा ढ़ाबे वाले से उनकी दोस्ती हो गई थी। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे तिरुअनंतपुरम पहुंचे, तब भी वे अपने इन दोस्तों को नहीं भूले और उन्हें राजभवन बुलाकर उन्हीं के साथ खाना खाकर उन्हें इतना मान-सम्मान दिया। डॉ. कलाम के जीवन के अंतिम पलों के बारे में उनके विशेष कार्याधिकारी रहे सृजनपाल सिंह ने लिखा है कि शिलांग में जब वह डा. कलाम के सूट में माइक लगा रहे थे तो उन्होंने पूछा था, 'फनी गाय हाउ आर यू', जिस पर सृजनपाल ने जवाब दिया 'सर ऑल इज वेल'। उसके बाद डॉ. कलाम छात्रों की ओर मुड़े और बोले 'आज हम कुछ नया सीखेंगे' और इतना कहते ही वे पीछे की ओर गिर पड़े। पूरे सभागार में सन्नाटा पसर गया और इस प्रकार यह महान् विभूति दुनिया से सदा के लिए विदा हो गई।

धार के मोहन चावड़ा (पहलवान) और साक्षी नामदेव बने चैंपियन

धार। धार के मोहन चावड़ा (पहलवान) और साक्षी नामदेव म.प्र.चैंपियन बने। इंदौर के नेहरू स्टेडियम में इनक्लाइन बेंच प्रेस और हैकलिफ्ट चैंपियनशिप आयोजित हुई थी इस चैंपियनशिप में धार के मसल्स फैक्ट्री जिम के मोहन चावड़ा और साक्षी नामदेव चैंपियन बने। मोहन चावड़ा ने सीनियर 93 वेट कैटगरी में तथा 130 किग्रा वेट में दूसरा स्थान प्राप्त किया। साक्षी नामदेव ने सीनियर 55 वेट कैटगरी में 220 किग्रा वेट में फर्स्ट पोजिशन प्राप्त कर धार शहर का नाम गौरवान्वित कर नेशनल चैंपियनशिप में अपनी जगह बनाई।

स्वच्छता सर्वेक्षण व वायु गुणवत्ता सर्वेक्षण 2025

पुरस्कृत होने पर राज्य स्तरीय पुरस्कार में देवास नगर निगम सम्मानित

देवास। नगर निगम देवास के द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण एवं स्वच्छ वायु गुणवत्ता सर्वेक्षण 2025 मे 50 हजार से 3 लाख की जनसंख्या में प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने पर भोपाल मे मंगलवार 14 अक्टुबर को आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह मे नगर निगमों को पुरस्कृत

किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास विभाग राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के साथ महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल, सभापति रवि जैन, विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, पूर्व आयुक्त रजनीश कसेरा को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर निगम नेता सत्तापक्ष मनीष सेन, निगम स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिह बैस, निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, स्वच्छता नोडल अधिकारी सौरभ त्रिपाठी, स्वास्थ्य अधिकारी जितेन्द्र सिसोदिया आदि उपस्थित रहे।

जल संरक्षण में बैतूल ने देशभर में बनाई पहचान

13499 जल संरक्षण कार्यों के साथ वेस्टर्न जोन में बैतूल तीसरे स्थान पर

बैतूल। जनसहभागिता से जल संरक्षण के कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने में जनजातीय बाहुल्य बैतूल जिले ने देश में अपनी पहचान बनाई है। केंद्र सरकार के जल संसाधन और नदी विकास विभाग द्वारा जल शक्ति अभियान अंतर्गत प्रारंभ किए गए नवाचार जल संचय जन भागीदारी अभियान में बैतूल जिले ने वेस्टर्न जोन में तृतीय स्थान हासिल किया है। इसके लिए जिले को 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान भी की जाएगी। बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के सतत मार्गदर्शन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन के नेतृत्व में जिले ने यह उपलब्धि हासिल की हैं। एडिशनल सेक्रेटरी एवं मिशन डायरेक्टर नेशनल वॉटर मिशन

ने कलेक्टर श्री सूर्यवंशी को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई पत्र प्रेषित किया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने बताया कि 1 अप्रैल 2024 से 31 मई 2025 तक जिले में 13499 जल संरक्षण कार्यों का सत्यापन किया गया है, जिसका अर्थ है कि यह सभी कार्य स्थल पर पूर्ण हो चुके हैं। इन कार्यों में खेत तालाब, स्टॉप डैम, कंटूर ट्रेंच, सोखपीट, चेक डैम, कपिलधारा, तालाब सौंदर्यीकरण आदि प्रमुख जल संरक्षण गतिविधियाँ शामिल रहीं। जिले में जल संरक्षण के लिए एक व्यापक रणनीति अपनाई गई। इसमें उद्योगों, स्वयंसेवी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। कम लागत और अधिक प्रभावी कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण एवं पुराने जलस्रोतों का पुनर्जीवन किया गया। ग्रामीण अंचलों में हजारों कृत्रिम रिचार्ज स्ट्रक्चर और प्रत्येक गाँव में जल संरचनाएँ स्थापित कर वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया गया। स्थानीय संगठनों और जनसहभागिता से परियोजनाओं को स्थायित्व मिला। साथ ही नागरिकों को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाए गए। परिणामस्वरूप बैतूल जिले ने जल संरक्षण में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर देशभर में अपनी पहचान बनाई है।

घर के कमरे में दुपट्टे से युवती ने लगाई फांसी, मौत

बैतूल। बैतूल के पाढर चौकी क्षेत्र में सोमवार रात एक 22 वर्षीय युवती ने घर के कमरे में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती पहले ही बच्चेदानी की समस्या से जूझ रही थी और ऑपरेशन के बाद बच्चेदानी निकाल दी गई थी। इसके कारण वह लंबे समय से मानसिक तनाव में थी। जानकारी के अनुसार, युवती की शादी की बातचीत चल रही थी, लेकिन ऑपरेशन के बाद परिवार चिंतित था। इसी तनाव में सोमवार रात करीब 9 बजे उसने यह कदम उठा लिया। मां के घर लौटने पर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा तोड़कर देखा गया तो युवती फांसी पर लटकी हुई थी। सूचना पर पाढर पुलिस चौकी प्रभारी जगदीश रायकवार और जांच अधिकारी विष्णु प्रसाद मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि युवती शादी के बाद संतान न होने की चिंता और मानसिक तनाव से परेशान थी। उसका नोबल हॉस्पिटल पाढर में इलाज चल रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

आत्मनिर्भर भारत का रास्ता गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं की भागीदारी से होकर जाता है : केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

भारत प्राचीनकाल से ही आत्मनिर्भर रहा है : विधायक नीना वर्मा

धार। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं जीएसटी बचत उत्सव के तहत विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय धार में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्र सरकार में मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर, अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती व विशेष अतिथि के रूप में धार विधायक नीना वर्मा, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान जिला संयोजक प्रेमचंद परमार जीएसटी बचत उत्सव संयोजक मोहित तातेड़ मंचासीन रहे।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र एवं पित्र पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम विधिवत आरंभ किया गया। सम्मेलन में व्यापारी,किसान, उपभोक्ता, जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए।

इस दौरान सम्मेलन में प्रबुद्ध नागरिक व कार्यकर्ताओं ने जब बाजार जाएंगे, माल स्वदेशी लाएगे, अपना घर स्वदेशी घर, अपनी दुकान, स्वदेशी दुकान, अपना जिला स्वदेशी जिला और घटी जीएसटी, मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार के नारे लगे और तालिया की गड़गड़ाहट से सभा स्थल गूंजता रहा।

सावित्री ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी

सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अब तीसरे स्थान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत का रास्ता गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं की भागीदारी से होकर जाता है। पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों को आत्मसात करते हुए हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज बीजेपी वट वृक्ष बन चुकी है पीएम मोदीजी की हर योजना की राशि लाभार्थी के सीधे खाते में जा रही है जिससे प्रत्येक व्यक्ति आत्मनिर्भर बन रहा है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का मानना था कि आर्थिक व्यवस्था स्वदेशी पर आधारित होनी चाहिए। जब तक यह स्वदेशी नहीं होगी, यह न तो हमारी स्वतंत्रता की रक्षा कर सकती है और न ही न्याय की गारंटी दे सकती है। आज भाजपा सरकार इसी मंत्र पर चलते हुए स्वदेशी को बढ़ावा दे रही है। 'मेक इन इंडिया' से लेकर 'स्टार्टअप इंडिया', 'वोकल फॉर लोकल' से लेकर 'आत्मनिर्भर भारत' तक हर पहल का लक्ष्य यही है कि हम विदेशी निर्भरता कम करें और स्वदेशी उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाएं।

निलेश भारती ने कहा की जब हम अपने उद्योगों को मजबूत करते हैं, कौशल और तकनीक को बढ़ावा देते हैं, तो हम न सिर्फ आत्मनिर्भर बनते हैं बल्कि दुनिया को भी अपनी शक्ति का परिचय देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का भी मानना है कि 'स्वदेशी उत्पादों का मतलब कम कीमत, अधिक शक्ति है।' मोदी सरकार जनधन खाते के माध्यम से देश में 50 करोड़ से अधिक खाता खोले गए प्रधानमंत्री आवास 3 करोड़ से अधिक लोगों को प्राप्त हुआ उज्ज्वला योजना से 10 करोड परिवार लाभान्वित हुए आयुष्मान भारत कार्ड से देश में 37 करोड लोगों ने मुफ्त में इलाज कराया देश में 80 करोड लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरण तथा 5 लाख तक निःशुल्क इलाज करवा रही है।

विधायक नीना वर्मा ने कहा कि भारत प्राचीनकाल से ही आत्मनिर्भर रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की सरकार ने धीरे-धीरे उद्योग योजनाओं के माध्यम से प्रदेश आत्मनिर्भर बन रहा है केंद्र की लखपति दीदी योजना के माध्यम से 3 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनने के साथ ही महिला भी आत्मनिर्भर होगी आज देश में सुई से लेकर मिसाइल तक भारत में बन रही हैं। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि सम्मलेन में अभियान जिला सह संयोजक राकेश चौहान व अनामिका ठाकुर मंडल अध्यक्ष विशाल निगम और जयराज देवड़ा सहित नगर पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन सुभाष जायसवाल ने किया।

सीएमओ रविवार आए सोमवार गए, भाजपा पार्षदों ने जताई नाराजगी

नपा फिर खाली कर्मचारियों को 3 महीने से नहीं मिला वेतन

आमला। शहर में लंबे समय से निर्माण कार्य ठप्प पड़े है। कई इलाके सडक़, नाली, बिजली के पोल से वंचित हैं। सफाई व्यवस्था लचर पड़ी है। कई इलाकों में समुचित प्रकाश व्यवस्था नहीं है। नपा में सीएमओ भी नहीं है। आया राम गया राम की तर्ज पर बीते दो वर्षों में आधा दर्जन सीएमओ बदले जा चुके हैं। शासन ने आमला को जिस तरह से प्रयोगशाला बनाकर रख दिया है, उससे समूचा शहर कई साल पीछे चला गया है। बीते रविवार शासन के एक आदेश से नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र तिवारी को आमला भेज जाता है, वही अभी महज़ चंद घंटे भी नहीं बीते थे कि सोमवार आते-आते शासन के ही एक आदेश पर नगरपालिका अधिकारी का मुलताई तबादला कर दिया जाता है। अब नगरपालिका फिर अधिकारी विहीन हो गई है। इस मसले की चर्चा पूरे शहर में जोरों पर है कि आखिर नपा में चल क्या रहा है? पूरे शहर में निर्माण कार्यों पर लगे लॉकडाउन जैसे हालातो पर आमजनता में आक्रोश भी पनप रहा है। लोग अब ये भी कहने लगे हैं कि शहर की कमजोर परिषद और यहां की कमजोर सियासत के कारण शहर का विकास प्रभावित हो रहा है।

सीएमओ को लेकर बेहद अजीबो-गरीब हालात – जानकारी के अनुसार लगभग ढाई वर्ष पहले जब तत्कालीन सीएमओ नीरज श्रीवास्तव का यहां से स्थानांतरण हुआ था, तब से अब तक कभी सीएमओ, तो कभी प्रभारी के भरोसे नगरपालिका चल रही है। जिससे नगरपालिका के हालात बुरी तरह प्रभावित हुए है। शहर में चर्चा है कि जो सिक्के कहीं नहीं चलते हैं, उन्हें आमला नपा में चलाया जाता है। इससे यहां बार-बार नपा में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। अजीबो-गरीब हालात बीते रविवार को यहां देखने को मिला है, जब रविवार को यहां शासन ने एक विधिवत आदेश पर सीएमओ वीरेंद्र तिवारी को नियुक्त किया और महज 24 घंटे के भीतर फिर एक नया आदेश जारी कर उन्हें यहां से रवाना कर दिया। इस मौके पर भी आमला नपा में किसी अधिकारी की नियुक्ति नहीं की जाती है, जो शासन के स्वयं भ्रमित होने की गवाही और शहर में कमजोर सियासत की पुष्टि कर रही है।

कर्मचारियों में निराशा, वेतन के अभाव में कैसे मनेगी दिवाली– इधर नपा आमला में बीते 3 महीनो से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है। दिपावली जैसा बड़ा त्यौहार सामने है। नपा में सीएमओ नहीं है, ऐसे में कर्मचारियों में घोर निराशा छा गई है कि आखिर फिर बिना वेतन के कैसे त्यौहार होगा और बिना वेतन के परिवार में कैसे गुजर बसर की जाएगी, ऐसे में कर्मचारियों में भारी निराशा है। इधर मंगलवार को नपा के दफ्तर पहुंचे भाजपा पार्षदों ने नपा में अधिकारी-कर्मचारियों की मनमानी, अनियमितता और वार्डों से किए जा रहे भेदभाव के हालातो पर अपनी नाराजी जताई। भाजपा पार्षदों ने दफ्तर से गायब रहने वाले इंजीनियर सहित कई कर्मचारियों की अनुपस्थिति लगा दी। साथ ही नपा प्रभारी को ऐसे लापरवाह कर्मचारियों को नोटिस देने की सिफारिश भी की है। इस मौके पर पार्षद संजय राठौड़, सुधीर अंबडकर, दीक्षा सूरजेकर और राकेश शर्मा उपस्थित थे।

पार्षदों ने कहा– चंदा करके पैसे देंगे, पर वार्डों में काम तो कराओ

आमला नपा की कमजोर सियासत से पूरे शहर में कामकाज ठप्प पड़ गए हैं। हालात ये है कि भाजपा के कई पार्षदों ने नगर पालिका अध्यक्ष से सिफारिश करते हुए कह दिया है, कि वार्ड में काम करवाओ, चंदा करके पैसे हम दे देंगे? इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिम्मेदारों ने शहर को बर्बादी के किस मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। आमला नपा में बढ़ रही अनियमिता, मनमानी, ठप्प कामकाज और आम जनता में बढ़ते असंतोष के बाद इलाके के कई संगठन और आमजनों में भी आक्रोश पनप रहा है। सरफराज, सुनील सोनी, राजा सोनी, बिट्टू सूर्यवंशी, कपिल उसरेते,संतोष कहार,रीता साहू, सोनू साबले, मुकेश मोरे गजानन पवार सहित दर्जनों लोगों ने बताया है कि पूरा शहर भाजपा कांग्रेस की चक्की में पिस रहा है। ऐसे में आमजनों को ही सड़कों पर उतरना पड़ेगा, तभी शहर बचाया जा सकता है।

इनका कहना है –

मैं शासन का कर्मचारी हूं, जैसा भी शासन आदेश करेंगी, वहां मुझे ड्यूटी करनी पड़ी।

– वीरेंद्र तिवारी,
नगरपालिका अधिकारी आमला

शासन के बार-बार बदलते आदेश के चलते सीएमओ को लेकर दिक्कत चल रही है, पर जल्दी ही इसका स्थाई हल निकाल लिया जाएगा।

–नितिन गाडरे,
अध्यक्ष, नगरपालिका आमला

मजदूर के जनधन खाते से हुआ 2 करोड़ का ट्रांजेक्शन

बैंक मैनेजर बोले– काला धन किया जा रहा था सफेद, अकाउंट होल्ड किया

बैतूल। जिले के एक गरीब मजदूर के खाते में करोड़ों रुपए के लेनदेन का मामला सामने आया है। जनधन योजना के तहत खोले गए इस खाते में किसान सम्मान निधि की राशि आती थी, लेकिन अब इसमें करीब 2 करोड़ रुपए का ट्रांजैक्शन पाया गया है। मजदूर जब सम्मान निधि की राशि निकालने बैंक पहुंचा तो यह खुलासा हुआ। शाखा प्रबंधक शशांक श्रीवास्तव ने बताया कि इस अकाउंट में हुए ट्रांजक्शन से साफ हो रहा है कि यह एक व्यवस्थित मनी न्यूल नेटवर्क का हिस्सा है, जिसमें काले धन को छोटे-छोटे ऑनलाइन लेन-देन के जरिए कई खातों में भेजकर सफेद किया जा रहा था। दरअसल कनारा निवासी बिसराम मंगू इवने का बैंक ऑफ महाराष्ट्र, खेड़ीसावलीगढ़ शाखा में जनधन खाता है। बैंक पहुंचने पर जब उसने पासबुक अपडेट करवाई तो बैंक के एकाउंटेंट ने बताया कि खाते में करोड़ों रुपए का लेनदेन हुआ है। इतना ही नहीं, बैंक ने खाता संदिग्ध ट्रांजैक्शन के चलते होल्ड कर दिया है। जानकारी के अनुसार, यह ट्रांजैक्शन 15 सितंबर से शुरू हुए हैं और अधिकांश मोबाइल बैंकिंग के जरिए किए गए हैं। खाते की स्टेटमेंट में अमोल, शिवम, राजेश और विनोद जैसे नामों से एनईएफटी और डायरेक्ट ट्रांसफर दर्ज हैं।

मजदूर ने कलेक्टर को आवेदन देकर की जांच की मांग – खाते में मजदूर की अपनी रकम मात्र 9,600 रुपए है। जब उसे बैंक की यह बात पता चली, तो उसने मंगलवार को कलेक्टर से मिलकर लिखित आवेदन दिया और मामले की जांच की मांग की। बिसराम ने कहा कि मैं तो मजदूर आदमी हूं, मेरे खाते में करोड़ों रुपए कहां से आए, मुझे कुछ समझ नहीं आता। लीड बैंक मैनेजर ने बताया कि वे मामले को गंभीरता से लेकर संबंधित बैंक शाखा से चर्चा कर जांच शुरू करने जा रहे हैं। फिलहाल प्रशासन ने आवेदन प्राप्त कर जांच की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है।

शाखा प्रबंधक बोले– यह एक व्यवस्थित मनी न्यूल नेटवर्क का हिस्सा – शाखा प्रबंधक शशांक श्रीवास्तव ने बताया कि इस अकाउंट में हुए ट्रांजक्शन से साफ हो रहा है कि यह एक व्यवस्थित मनी न्यूल नेटवर्क का हिस्सा है, जिसमें काले धन को छोटे-छोटे ऑनलाइन लेन-देन के जरिए कई खातों में भेजकर सफेद किया जा रहा था। श्रीवास्तव के अनुसार इस पैटर्न का संबंध कई गेमिंग/बेटिंग साइट्स और संदिग्ध लिंक्स से दिखता है और मामले की जांच साइबर सेल कर रही है। मैनेजर के मुताबिक उनकी बैंक में लगभग 20-25 खातों में समान संरचना के संदिग्ध लेन-देन पाए गए हैं। यह संख्या केवल स्थानीय पहचान पर आधारित है, वास्तविक पैमाना अधिक हो सकता है। लेन-देन का पैटर्न अक्सर छोटी-छोटी राशियों में लगातार पैसा भेजने का है। एक ऐसी रणनीति जो निगरानी से बचने और स्रोत छिपाने के लिए इस्तेमाल की जाती है।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में करें निराकरण: कलेक्टर

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

बैतूल। बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में प्रात: 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई के दौरान नागरिकों की समस्याएं गंभीरता पूर्वक सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में कुल 156 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा में किया जाए। एक ही शिकायत के निराकरण के लिए आवेदकों को बार-बार जनसुनवाई में न आना पड़े यह सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम बोरगांव निवासी सद्दू ने अनावेदक द्वारा खेत पर आने जाने का रास्ता बंद किए जाने की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने प्रभात पट्टन तहसीलदार को प्रकरण की जांच करने निराकरण के निर्देश दिए। घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम सलैया निवासी ज्योति चौकीकर ने आवेदन के माध्यम से जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने घोड़ाडोंगरी तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम कान्हावाड़ी निवासी रैमाबाई ने अनावेदकों के विरुद्ध उचित दंडात्मक कार्रवाई कर प्लाट से अवैध कब्जा दिलाए जाने की मांग की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने घोड़ाडोंगरी तहसीलदार को प्रकरण के शीघ्र निराकरण किए जाने के निर्देश दिए।

स्वदेशी के संकल्प से भारत बनेगा आत्मनिर्भर: मोहन नागर

हम देश के उत्पाद पर भरोसा जताया : डॉ. पंडाग्रे

बैतूल। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत आमला में आयोजित विधानसभा स्तरीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए म.प्र.जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहन नागर ने कहा कि स्वदेशी के संकल्प से ही भारत आत्मनिर्भर बनेगा और दुनिया के सामने एक स्वाभिमानी राष्ट्र के रूप मे खडा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि जब देश के प्रधानमंत्री अपने हर कार्यक्रम में और हर भाषण में स्वदेशी का पाठ पड़ा रहे हैं तो देश के नागरिकों का भी कर्तव्य है कि हम स्वदेशी को लेकर गम्भीर हों। हम अपने भोजन भजन एवं वेश भूषा में भी स्वदेशी को अपनाएं। सम्मेलन का शुभारंभ श्री नागर सहित भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार, विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे, वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश खण्डेलवाल ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वल्लन कर किया। विधानसभा सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए विधायक डॉ पंडाग्रे ने कहा कि जब देश गुलाम था तब स्वदेशी के मंत्र के माध्यम से ही स्वाधीनता का बिगुल फूंका गया था। आज एक बार फिर से भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने

स्वदेशी का आह्वान किया है। आज हम अपने देश के उत्पादों पर भरोसा कर उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने मे प्रत्येक नागरिक की भागीदारी होनी चाहिये। वरिष्ठ नेता मुकेश खण्डेलवाल ने कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में भारत रक्षा, अंतरिक्ष, टेक्नोलॉजी एवं एनर्जी के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बन रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार ने कहा कि हमे आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से विकसित भारत की नींव तैयार करनी है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे भाजपा जिला महामंत्री कमलेश सिंह ने कहा कि रक्षा सौदों में दलाली खाने वाली एवं चीन की गुलामी करने वाली कांग्रेस कभी नही चाहती कि भारत आत्मनिर्भर बने इसलिए इस अभियान को लेकर भ्रामक प्रचार कर रही है। जिला कोषाध्यक्ष दीपू सलूजा ने कार्यकर्ताओं को जीएसटी रिफॉर्म की जानकारी दी। मंच पर सारनी नपा अध्यक्ष किशोर बरदे, जनपद अध्यक्ष गणेश यादव, आमला मण्डल अध्यक्ष रामकिशोर देशमुख, महामन्त्री प्रदीप ठाकुर, राजेश पंडोले, गोपेन्द्र सिंह सहित सभी मण्डल अध्यक्ष, मण्डल प्रभारी, जिला पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे। आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढेकर ने किया।

सभी पालकों से आग्रह, अपने 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाए : प्रभारी मंत्री पटेल

बैतूल (निप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने रविवार को जिला चिकित्सालय के महिला एवं बाल रोग इकाई में स्थापित पोलियो बूथ पर नवजात बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर राष्ट्रीय सघन पल्स-पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित विधायक आमला डॉ योगेश पंडाग्रे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने भी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि भले ही भारतवर्ष पूरी तरह से पोलियो मुक्त हो चुका हैं, लेकिन भारत के आसपास के देशों में पोलियो का संक्रमण अभी भी जारी हैं। जिससे भारत में भी पोलियो के संक्रमण का खतरा बना रहता हैं। जिससे संपूर्ण सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान चलाया जा रहा हैं।

जिसके लिए बैतूल जिले में 2018 पोलियों बूथ बनाएं गए हैं, जहां 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बैतूल 1 लाख 68 हजार 416 बच्चों को पोलियो की खुराक का अनुमानित लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी पालकों से आग्रह किया कि अपने बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दवा अवश्य पिलाए और अभियान को सफल बनाकर भारत वर्ष को पोलियो मुक्त बनाएं रखें। इस दौरान प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने प्रसूति पश्चात वार्ड में श्रीमती भागवंती पति श्री मनोज नरें निवासी माडेगांव, श्रीमती पूजा पति श्री गुलशन निवासी छाबल, श्रीमती गायत्री पति श्री इंद्रेश निवासी कुटकुही, श्रीमती शेख आरजू पति श्री शेख आशिक निवासी तिलक वार्ड बैतूल, श्रीमती कल्याणी पति श्री कपिल सातपुते निवासी छिंदवाड़ा की प्रसूता महिलाओं को नवजात बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र वितरित किए एवं स्वास्थ्य की जानकारी ली।

अभियान के प्रथम दिन तक 1 लाख 24 हजार 732 बच्चों को दी पोलियो की खुराक

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि राष्ट्रीय पल्स-पोलियों अभियान का शुभारंभ 12 अक्टूबर 2025 को जिला चिकित्सालय बैतूल के एमसीएच भवन में प्रात : 8 बजे से किया गया। सीएमएचओ डॉ.हुरमाड़े ने जानकारी देते हुए कि 12 अक्टूबर 2025 को प्रथम दिवसबूथ पर शाम 6 बजे तक 1 लाख 24 हजार 732 बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई। शहरी क्षेत्र में 226 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 1683 कुल 1909, ट्रांजिट बूथ 29 एवं 6 मोबाइल टीम इस प्रकार कुल 2018 टीकाकरण बूथ बनाये गए। अब 13 और 14 अक्टूबर 2025 को शेष बचे 0 से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को घर-घर जाकर पोलियो की खुराक दी जाएगी। जिले में 0 से 5 वर्ष तक के अनुमानित कुल 1 लाख 68 हजार 416 बच्चों को पोलियों की खुराक दी जाएगी। उन्होंने बताया कि बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन, जिले के क्रासिंग पाईंटों में 88 बूथ बनाकर दवा पिलाई जायेगी।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर पिपरिया में बालिकाओं के लिए जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। महिला एवं बाल विकास परियोजना पिपरिया के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला, पिपरिया में एक सार्थक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परियोजना अधिकारी श्री अनिल कुमार चौधरी के मार्गदर्शन में मनोचिकित्सक संबंधी उद्देश्यों से जुड़ी भ्रांतियों को समाप्त करने के संबंध में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं कन्या पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर आरबीएस के डॉ. अहमद एवं मनोचिकित्सक डॉ. सतीश वर्मा द्वारा बालिकाओं की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर चर्चा की गई तथा समाधान संबंधी उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया। कार्यक्रम में ताइक्वांडो प्रदर्शन के माध्यम से आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया, जिसमें आम एवं अशोक के पौधे लगाए गए। पर्यवेक्षक सरिता रघुवंशी ने बालिकाओं को विभागीय योजनाओं एवं उनके लाभों की जानकारी दी, जबकि पर्यवेक्षक मंजुला जैन दुबे ने कार्यक्रम का संचालन किया।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थो को जाँच की

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में आगामी त्यौहार दीपावली के उपलक्ष्य में रविवार को खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा हरदा जिले में किराने दुकान, रेस्टोरेंट एवं मिठाई दुकान प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राजेन्द्र कांबले ने बताया कि निरीक्षण के दौरान आलमपुर में कस्तूरी डेयरी फॉर्म से मावा व पनीर, राठौर किराना सोडलपुर से चावल, दाल व मसाले, निशा स्वीट्स से पेड़ा व बर्फी, हनुमान किराना से चना दाल, तुअर दाल, मूंग दाल, जीरे व काली मिर्च तथा श्री कृष्णा स्वीट्स से पेड़ा व बर्फी खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला में जांच की गई। इसके पश्चात कस्तूरी डेयरी फॉर्म आलमपुर से मावा तथा होटल बागवान हरदा से दाल, चावल, तथा पनीर की सब्जी के सैंपल लिए गए। श्री कांबले ने बताया कि इन नमूनों को खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे तथा रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। यह कार्यवाही आगामी त्यौहार दीपावली के उपलक्ष्य में की जा रही है। कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राजेंद्र कांबले, केमिस्ट श्री हेमंत कीर के साथ अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

विदिशा (निप्र)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने रविवार को विदिशा जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करते हुए आयोजन को सम्बोधित किया है। भण्डारी पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, शमशाबाद विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा, पूर्व मंत्री श्री राघवजी के अलावा कॉ-आपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष द्वय श्री बाबूलाल ताम्रकार, श्री श्याम सुन्दर शर्मा के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि तथा मीसाबंदियों के अलावा गणमान्य नागरिक, मीडियाकर्मी मौजूद रहे।

कलेक्टर के निर्देशानुसार सोहागपुर एसडीएम ने निजी उर्वरक केंद्रों की जांच की

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में खाद-उर्वरक के सुचारू वितरण सुनिश्चित करने हेतु समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निरंतर भ्रमण कर निजी उर्वरक केंद्रों के नियमित निरीक्षण कर अमानक एवं नकली खाद की रोकथाम के लिए निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर सुश्री प्रियंका भलावी के नेतृत्व में संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा सोहागपुर क्षेत्र की निजी खाद एवं उर्वरक दुकानों का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण दल में तहसीलदार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, एसडीओपी एवं थाना प्रभारी सम्मिलित रहे। निरीक्षण के दौरान शिवाय ट्रेडर्स, सोहागपुर में विभिन्न अनियमितताएं पाई गईं। दुकान पर संस्थान का नाम प्रदर्शित करने हेतु बोर्ड नहीं लगा था तथा स्टॉक जांच हेतु पीओएस मशीन उपलब्ध नहीं थी। रिकॉर्ड में दैनिक रिपोर्ट के अनुसार 8.19 मीट्रिक टन यूरिया दर्ज था, जबकि मौके पर 25.20 मीट्रिक टन यूरिया पाया गया। विक्रेता द्वारा संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिए जाने पर संस्थान से खाद विक्रय पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी गई है एवं दुकान संचालक को नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार भाग्यश्री ट्रेडिंग कंपनी, करनपुर का निरीक्षण किया गया, जहाँ दैनिक रिपोर्ट में विक्रय मात्रा शून्य दर्ज थी। जबकि उपस्थित कृषको द्वारा यूरिया, डीएपी एवं एसएसपी क्रय किए जाने की पुष्टि की, किंतु उनके पास बिल उपलब्ध नहीं था। किसानों के अनुसार, यूरिया 325 रुपए प्रति बोरी तथा डीएपी 1650 रुपए प्रति बोरी की दर से विक्रय किया गया। निरीक्षण में पीओएस मशीन व गोदाम स्टॉक में 12 बोरियों का अंतर पाया गया। नियमों के उल्लंघन एवं खाद अधिक दर पर विक्रय करने के कारण संस्थान संचालक के विरुद्ध उर्वरक अधिनियम के तहत FIR दर्ज की गई है।

किसानों के हितों की रक्षक है सरकार की भावांतर योजना

सीहोर जिले के किसान श्री संदीप सहित अनेक किसानों ने कराया योजना में अपना पंजीयन

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में राज्य सरकार द्वारा भावांतर योजना शुरू की गई है, ताकि किसानों को उनकी सोयाबीन की फसल का भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम मिलने पर भी नुकसान न उठाना पड़े। सीहोर जिले के ग्राम गोपालपुर के किसान श्री संदीप राठौर बताते हैं कि इस वर्ष जब सोयाबीन के भाव को लेकर चिंता थी, तभी सरकार की भावांतर योजना उनके लिए राहत बनकर आई। वे कहते हैं कि अब हमें यह चिंता नहीं कि मंडी में दाम कितना रहेगा, क्योंकि सरकार हमारी मेहनत का पूरा मूल्य सुनिश्चित कर रही है। किसान श्री संदीप ने बताया कि उन्होंने हाल ही में योजना के तहत अपना पंजीयन भी करा लिया है। उन्होंने बताया कि पंजीयन केंद्र पर पूरी व्यवस्था सरल और सुगम थी। उन्होंने बताया कि कुछ ही मिनटों में मेरा पंजीयन पूरा हो गया और मुझे किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। किसान श्री संदीप राठौर ने बताया कि जिला प्रशासन जिले में किसानों की सुविधा के लिए भावांतर पंजीयन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां किसानों को सहयोग और मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। श्री संदीप राठौर ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने किसानों के भीतर नया आत्मविश्वास पैदा किया है। अब उन्हें विश्वास है कि मेहनत का उचित मूल्य हर किसान को मिलेगा।

कलेक्टर के निर्देश पर कृषि विभाग की बड़ी कार्यवाही

नकली उर्वरक विक्रय करने पर इटारसी के विक्रेता चौरे ब्रदर्स एवं सिवनी मालवा के शुभ एग्रो पर हुई एफआईआर दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में अमानत खाद एवं उर्वरक के विक्रय एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई करने की निर्देश कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा जारी किए गए हैं। उक्त निर्देशों के परिपालन में कृषि विभाग द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए इटारसी स्थित निजी उर्वरक एवं खाद वितरण केंद्र चौरे ब्रदर्स के संचालक मनोज चौरे के खिलाफ अमानक एवं नकली उर्वरक के भंडारण और बिक्री के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई आवश्यक वस्तु अधिनियम,1955 के तहत पुलिस थाना इटारसी में की गई। किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग के निरीक्षको द्वारा उर्वरक, कीटनाशक और बीज विक्रेता प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है और गुणवत्ता परीक्षण के लिए उर्वरकों, कीटनाशकों और बीजों के नमूने लिए जा रहे हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में अमानक उर्वरक का भंडारण एवं विक्रय करने पर चौरे ब्रदर्स इटारसी के प्रोपराइटर मनोज चौरे के विरूद्ध पुलिस थाना इटारसी में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उर्वरक निरीक्षक सुश्री जयश्री देशमुख द्वारा खाद-बीज की दुकानो का निरीक्षण के दौरान इटारसी में संचालित उर्वरक प्रतिष्ठान- चौरे ब्रदर्स में भंडारित उर्वरक-जिंक सल्फेट 33% (निर्माता कंपनी नेक्सस न्यूट्री साइंस लिमिटेड केरला) का नमूना लिया जाकर, उर्वरक में उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा की जांच हेतु उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला- उज्जैन को भेजा गया था। इस जिंक सल्फेट की थैली पर उल्लेख अनुसार इसमें जिंक 33% सल्फर 15% पाया जाना था, किंतु उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला उज्जैन से प्राप्त रिपोर्ट में पोषक तत्व जिंक 0% सल्फर 0% पाया गया है। उपसंचालक कृषि द्वारा उक्त अमानक उर्वरक जिंक सल्फेट 33% के शेष स्कंध का जिले में भंडारण क्रय-विक्रय एवं परिवहन को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया और उर्वरक व्यापारी को सुनवाई एवं अपना पक्ष समर्थन करने का पर्याप्त अवसर देने उपरांत, किसानो को नकली खाद बेचने वाले कृत्यकर्ता चौरे ब्रदर्स के प्रोपराइटर मनोज चौरे के विरूद्ध पुलिस थाना इटारसी में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के निर्देश उर्वरक निरीक्षक को दिए गए। उर्वरक निरीक्षक द्वारा प्रकरण में गत दिवस पुलिस थाना इटारसी में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 अंतर्गत प्रकरण क्रमांक 0798/2025 दर्ज किया गया है। इसी प्रकार उर्वरक निरीक्षक डॉ. राजीव यादव द्वारा खाद-बीज की दुकानो का निरीक्षण के दौरान सिवनी मालवा में संचालित उर्वरक प्रतिष्ठान- शुभ एग्रो में भंडारित उर्वरक-जिंक सल्फेट 33% (निर्माता कंपनी एपेक्स फर्टीलाइजर प्रा.लिमिटेड भरूच) का नमूना लिया जाकर, उर्वरक में उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा की जांच हेतु उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला. किस्टल आइ.टी.पार्क के सामने रिंग रोल चौराह इन्दौर(म.प्र.) को प्रेषित किया गया था। इस जिंक सल्फेट की थैली पर उल्लेख अनुसार इसमें जिंक 33% सल्फर 15% पाया जाना था, किंतु उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला किस्टल आइ.टी.पार्क के सामने रिंग रोल चौराह इन्दौर(म.प्र.) से प्राप्त रिपोर्ट में पोषक तत्व जिंक 2.82% सल्फर 13.89% पाया गया है। उपसंचालक कृषि द्वारा उक्त अमानक उर्वरक जिंक सल्फेट 33% के शेष स्कंध का जिले में भंडारण क्रय-विक्रय एवं परिवहन को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया और उर्वरक व्यापारी को सुनवाई एवं अपना पक्ष समर्थन करने का पर्याप्त अवसर देने उपरांत, किसानो को नकली खाद बेचने वाले कृत्यकर्ता शुभ एग्रो सिवनी मालवा के प्रोपराइटर नितिन रघुवंशी पुलिस थाना सिवनी मालवा में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के निर्देश उर्वरक निरीक्षक को दिए गए। उर्वरक निरीक्षक द्वारा प्रकरण में आज दिनांक 11/10/2025 को पुलिस थाना सिवनी मालवा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 अंतर्गत प्रकरण क्रमांक 0526/2025 दर्ज किया गया है। उप संचालक कृषि श्री जे आर हेडाऊ द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे उर्वरक, कीटनाशक और बीज विक्रेताओं द्वारा की गई किसी भी धोखाधड़ी या गड़बड़ी की सूचना विभाग को दें। अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए नज़दीकी कृषि विभाग के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

विविध कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान

विदिशा (निप्र)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान रविवार 12 अक्टूबर को विदिशा जिले के प्रवास के दौरान विविध कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए है। विट्ठल नगर में स्थित अपना घर आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में तथा नवीन व्यापार आध्या इंटरप्राइजेस के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ग्राम बामनखेडा में आयोजित धान कृषकों से आयोजित संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेती का पैटर्न बदलकर कैसे लाभ में परिवर्तित करें इसके लिए अच्छे खाद, बीज के साथ-साथ उन्नत तकनीकी जरूरी है। उन्होंने किसानो से आव्हान किया कि मिट्टी परीक्षण जरूर कराएं ताकि अनावश्यक खाद, से खेती जमीन को बचाया जा सकें। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि आईआईआर दिल्ली से पहली बार बासमती धान की किस्म पीबी 1885 व 1886 को प्रायोगिक तौर पर लगाई गई है। इसका उद्धेश्य है कि पहले मैं स्वंय प्रयोग करूं इसके पश्चात किसानो को अभिप्रेरित करूंगा।

उन्होंने बताया कि इस किस्म में दवा डालने की जरूरत नही पडती है। भारतीय कृषि अनुसंधान के द्वारा प्रमाणित बासमती के इस बीज का उत्पादन अन्य बीजो की तुलना में अधिक उत्पादन देता है और पानी भी कम लगता है। उन्होंने कहा कि एकीकृत कृषि यूनिट का मकसद है कि हम खेती के साथ-साथ अन्य उत्पाद जैसे फल सब्जी और गौपालन से खेती को मुनाफे में परिवर्तित करें। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानो के छोटे-छोटे ग्रुपो में इस प्रकार के आयोजन कर उन्हें सुगमता से जानकारी देना और प्रश्नोत्तरी संवाद के माध्यम से उनकी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान करना है। कार्यक्रम को हरियाणा पानीपत के कृषक श्री प्रीतम सिंह ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत किए गए नवाचारो को रेखांकित किया। उन्होंने कृषि की भाषा सीखने के लिए सदोउदाहरण प्रस्तुत किए है।

जायजा

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बामनखेडा के प्रगतिशील कृषक श्री बृजेश दुबे ने बासमती धान की नई किस्म पीबी 1885 एवं 1886 जिन खेतो में लगाई गई है उन खेतो में पहुंचकर धान का जायजा लिया। यहां साथ मौजूद प्रगतिशील कृषक श्री प्रीतम सिंह ने धान वैरायटी के अंतरो पर भी गहन प्रकाश डाला हैं।

निरीक्षण भ्रमण के दौरान विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, नटेरन जनपद पंचायत के सदस्य श्री अंशुल शर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहें। ग्राम वामनखेडा में धान फसल पर आयोजित संगोष्ठि कार्यक्रम को कृषि वैज्ञानिको, कृषि विभाग के अधिकारियों तथा प्रगतिशील कृषक श्री प्रीतम सिंह, श्री कुलविन्दर सिंह तथा श्योपुर जिले के कृषक श्री गुरूप्रताप सिंह, श्री गुरविन्दर सिंह, श्री त्रिलोक सिंह, श्री जसपाल सिंह के द्वारा सम्बोधित कर कृषि क्षेत्र में नवाचारो के माध्यम से कम लागत पर अधिक उत्पादन कैसे लें पर संयुक्त रूप से गहन प्रकाश डाला गया। वहीं किसानो की जिज्ञासाओं का भी समाधान मौके पर किया गया है।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने जिला अस्पताल का देर रात्रि किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं से हुए संतुष्ट

बैतूल (निप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने शनिवार रात जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर, इमरजेंसी वार्ड, गेरियाट्रिक वार्ड और पुरुष मेडिकल वार्ड का दौरा किया तथा भर्ती मरीजों से आत्मीय चर्चा कर उनका हालचाल जाना। मंत्री श्री पटेल ने मरीजों के परिजनों से भी अस्पताल की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली, जिसमें परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं की सराहना की। इसके बाद उन्होंने महिला एवं बाल रोग यूनिट का भी निरीक्षण किया और यहां भी मरीजों के परिजनों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान बालिका गोरी के आग्रह पर मंत्री श्री पटेल ने उसके साथ सेल्फी भी खिंचवाई। उन्होंने जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए चिकित्सकों और स्टाफ की कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण भावना की सराहना की तथा उन्हें इसी प्रकार जनसेवा के पुनीत कार्य में लगे रहने के लिए प्रेरित किया। मीडिया से चर्चा के दौरान प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि दिवंगत बच्चों के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि उपचाररत बच्चों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा मिले। उपचार में होने वाला संपूर्ण व्यय शासन द्वारा उठाया जाएगा, साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए सुदृढ़ व्यवस्था बनाई जाएगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध पटाखा एवं बारूद भंडारण करने वालों के विरुद्ध हो सख्त कार्रवाई : सोनिया मीना

■ कलेक्टर ने समस्त एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के दिए निर्देश कलेक्टर ने किया निर्देशित - आपातकालीन सेवाएं रखें सुचारू, अमानक एवं मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने वालों पर हो कठोर कार्रवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने आगामी त्योहारों तथा आयोजनों के मद्देनज़र जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को भीड़ प्रबंधन, कानून एवं शांति व्यवस्था अमानक खाद्य सामग्री पर कार्यवाही, पटाखा एवं बारूद भंडारण तथा विक्रय से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने समस्त एसडीएम को निर्देशित दिया कि आगामी त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए सभी एसडीएम अपने-अपने अनुविभाग अंतर्गत पटाखा लाइसेंस के लिए प्राप्त आवेदन की शीघ्र स्क्रूटनी कर उन्हें प्रेषित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी अधिकारी निरंतर भ्रमण कर अवैध बारूद एवं पटाखा भंडारण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने निर्देश दिए कि एसडीएम यह सुनिश्चित करें कि क्षेत्र में लगने वाली पटाखा दुकाने निर्धारित स्थानों पर नियमानुसार दूरी के आधार पर ही लगाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए की घनी आबादी वाले क्षेत्रों में सघन निरीक्षण कर अवैध पटाखा दुकान संचालक एवं भंडारण करने वालों पर कार्रवाई करें। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में यह सुनिश्चित करें कि निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र कोई स्थान पर पटाखे की दुकान संचालित ना हो। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह निर्देश भी दिए की आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाएं 24 घंटे सुचारू रहे। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि स्वास्थ्य अमला किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सजग रहे एवं आवश्यक दवाइयों तथा बर्न यूनिट जैसे समस्त आवश्यक संसाधनों को रेडी टू उसे स्थिति में रखें। इसी के साथ प्रत्येक अनुभाग में पर्याप्त एम्बुलेंस व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आगजनी जैसी घटनाओं से निपटने के लिए पर्याप्त संख्याओं में फायर ब्रिगेड एवं अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की तहसील व समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी एसडीएम सीएम हेल्पलाइन तथा योजनाओं में प्रगति प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सीएम हेल्पलाइन एवं योजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यो की प्रगति संतोषजनक नहीं है। सभी अधिकारी अतिरिक्त संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्रगति प्राप्त करें एवं एक सप्ताह के भीतर अपेक्षाकृत परिणाम देवे। उन्होंने निर्देश दिए की आगामी माह में आने वाले त्योहार एवं आयोजनों के दौरान क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था सुचारू बनाए रखें। उन्होंने निर्देश दिए की संबंधित एसडीओपी, टीआई तथा अन्य समस्त संबंधित अधिकारियों के साथ क्षेत्र का निरंतर भ्रमण करें। कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम ध्यान देवें कि किसी भी अनुभाग अंतर्गत कानून एवं शांति व्यवस्था बिगड़ने जैसी समस्या न उत्पन्न हो। अधिकारीगण स्थिति का पूर्व आकलन कर आवश्यक कदम उठाएं। कलेक्टर सुश्री मीना ने कहा कि सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपने अपने क्षेत्रांतर्गत सर्वोच्च प्राथमिकता से कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें तथा संबंधित अनुपालन रिपोर्ट आगामी एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करें। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्री राजीव रंजन पांडे, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय राय, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत सहित समस्त अनुविभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सिवनी हवाला केस में डीजीपी का ऐक्शन

11 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर

- एसडीओपी पूजा पांडे समेत 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार
- कानून का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, कानून सबके लिये बराबर : सीएम यादव

भोपाल/सिवनी (नप्र)। जिले में 3 करोड़ रुपये की हवाला लूट के मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। इस मामले में सीएसपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ डकैती, अपहरण और आपराधिक साजिश रचने का केस दर्ज किया गया है। मध्य प्रदेश के डीजीपी कैलाश मकवाना ने खुद इस मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यह घटना नेशनल हाईवे 44 पर हुई थी, जहां कथित तौर पर पुलिसकर्मियों ने हवाला की रकम लूटी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिवनी लूट मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। सिवनी एसडीओपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। इनमें से 5 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इसमें एसडीओपी सिवनी पूजा पांडे, एसआई अर्पित भैरम, कॉन्सटेबल योगेंद्र, नीरज और जगदीश शामिल हैं।

गंभीर अपराध की धाराएं लगीं- यह मामला अपराध क्रमांक 473/2025, थाना लखनवाड़ा के तहत दर्ज किया गया है। पुलिसकर्मियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 310(2) (डकैती), 126(2) (गलत तरीके से रोकना), 140(3) (अपहरण) और 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस घटना के संकेत कल ही मिलने लगे थे।

किसी का हस्तक्षेप सहन नहीं होगा: सीएम- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखना, अपराध मुक्त वातावरण बनाना और नागरिकों की सुरक्षा पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों का मुख्य दायित्व है। अपने कर्तव्यों से हटकर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को राज्य सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिवनी प्रकरण में जो भी दोषी पाए गए हैं, उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ कानूनी कार्रवाई भी होगी। प्रदेश में कानून सबके लिए बराबर है। कानून का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कोई भी हो। राज्य सरकार प्रदेश में सुशासन स्थापित करने सतत रूप से कार्य कर रही हैं, इस दिशा में किसी का हस्तक्षेप सहन नहीं होगा।

आईजी बोले-जांच का विषय : आईजी वर्मा

जबलपुर आईजी प्रमोद वर्मा ने इस मामले को जांच का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि जब्त की गई रकम भी जांच के दायरे में है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हवाला कारोबार चलाने वाले के खिलाफ आरोप दर्ज किए गए हैं और उन्हें आरोपी बनाया गया है। इस पूरे मामले की जांच के लिए सिवनी से आईपीएस अधिकारी जितेंद्र सिंह को जबलपुर भेजा गया है।

पुलिस की छवि हुई धूमिल

आईजी वर्मा ने स्वीकार किया कि इस घटना से पुलिस की छवि को निश्चित रूप से धूमिल हुई है, इसलिए इसकी जांच बहुत बारीकी से की जा रही है। उन्होंने कहा कि हवाला मामले में कुछ त्रुटियां पाई गई हैं, और जांच जल्द से जल्द पूरी हो जाएगी क्योंकि यह एक गंभीर मामला है। पुलिस की छवि पर लगे इस दाग को लेकर आईजी ने गोलमोल जवाब देते हुए जांच की बात कही है।

ये भी हैं आरोपी

सिवनी मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 310(2) डकैती, 126(2) गलत तरीके से रोकना, 140(3) अपहरण और 61(2) आपराधिक षडयंत्र के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किये गये 5 अधिकारी एवं कर्मचारियों के अलावा जिनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई।

इस वर्ष स्थापना दिवस की थीम होगी उद्योग एवं रोजगार : मुख्यमंत्री

स्थापना दिवस से अटल जी की जयंती 25 दिसंबर तक राज्योत्सव के रूप में होंगे अनेक कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में हुए भावांतर योजना, केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश को रेलवे के क्षेत्र में मिली सौगातों और सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम विभाग द्वारा 13 अक्टूबर को भोपाल में आयोजित उद्यमी सम्मेलन में वितरित प्रोत्साहन सहायता राशि के संबंध में जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीपावली, गोवर्धन पूजा और मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के स्थापना दिवस की थीम उद्योग एवं रोजगार वर्ष होगी। उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश विषय पर भी कार्यक्रम आयोजित किऐ जाएं। इन गतिविधियों में उद्योग लगाने वालों से लेकर रोजगार पाने वालों तक को शामिल किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगामी त्यौहारों का उल्लेख करते हुए कहा कि 20 अक्टूबर को दीपावली और 21 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा का पर्व है। उन्होंने मंत्रीगण से अपने-अपने क्षेत्र में सार्वजनिक रूप से गोवर्धन पूजा का आयोजन लोक परंपरा अनुसार करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 1 नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस है। इस वर्ष 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई का शताब्दी वर्ष भी है। स्थापना दिवस 1 नवंबर से अटल बिहारी वाजपेई की जयंती 25 दिसंबर तक रोजगार एवं उद्योग वर्ष की थीम पर निरंतर गतिविधियां संचालित की जाएंगी। उद्योग, कौशल उन्नयन, रोजगार के अवसर, एमएसएमई, भारी उद्योग, कुटीर उद्योग सहित स्वावलंबन पर केंद्रित गतिविधियां संचालित की जाएंगी। सभी जिलों में राज्योत्सव के रूप में गतिविधियां संचालित हों।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भावांतर योजना के अंतर्गत पंजीयन 3 अक्टूबर से आरंभ हुआ है जो 17 अक्टूबर तक चलेगा। एमएसपी से कम कीमत पर सोयाबीन बिकता है तो किसानों के घाटे की भरपाई भावांतर योजना के तहत सरकार द्वारा की जाएगी। किसान पहले की भांति मंडियों में सोयाबीन का विक्रय करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा रेलवे मल्टी ट्रैकिंग परियोजना को दी गई मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार मानते हुए कहा कि इससे प्रदेश को बहुत लाभ होगा।

खाद की कालाबाजारी पर चला कलेक्टर का 'डंडा'

घर में छुपाकर रखा था 245 टन उर्वरक, जब्त

टीकमगढ़ (नप्र)। जिले में कलेक्टर के आदेश पर अवैध खाद के भंडारण पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। 245 टन अवैध खाद जब्त किया है। वहीं पुलिस ने अवैध खाद का भंडारण करने वाले आरोपियों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोतिय

ने बताया कि जिले में अवैध खाद भंडारण की सूचना मिली थी। बताया गया था कि खरगापुर तहसील के अंतर्गत आने वाले सरपंच सर्कनपुर गांव में खाद की अवैध कालाबाजारी की जा रही है। वहां पर अवैध भंडारण भी किया गया है। इस सूचना को सत्यापित कराया गया और सही पाया गया।

245 टन अवैध खाद जब्त- कलेक्टर ने बल्देवगढ़ एसडीएम और खरगापुर तहसीलदार के साथ कृषि विभाग को कार्रवाई के लिए आदेशित किया। पुलिस के सहयोग से मौके पर एक टीम पहुंची तो पता चला कि गांव के रहने वाले अरविंद लोधी और चंद्रभान लोधी बिना अनुमति के अपने घर में 245 टन अवैध उर्वरक का भंडारण किए हुए हैं। पुलिस ने पूरे माल को जब्त कर लिया और आरोपियों पर कार्रवाई की गई।

आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज- टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोतिय के आदेश पर अवैध उर्वरक भंडारण करने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों के तहत अरविंद लोधी और चंद्रभान लोधी के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मीडिया से बात करते हुए कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार अगर कहीं भी खाद का अवैध भंडारण पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर ने दी सख्त चेतावनी- उन्होंने कहा कि इसी क्रम में सर्कनपुर में कार्रवाई की गई है। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि टीकमगढ़ जिले में अगर कोई अवैध खाद बेचते हुए या भंडारण करते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगी।

पीएम मोदी को सौंपा 108 नदियों के उद्गम का जल

एमपी के मंत्री प्रहलाद पटेल की बेटी ने खुद बॉक्स बनाकर रखे जल कलश

भोपाल (नप्र)। एमपी के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मंत्री पटेल ने पीएम को दो सालों में 108 नदियों के उद्गम की यात्रा के दौरान मध्य प्रदेश भर से संकलित किए गए 108 जल कलश भेंट किए।

मंत्री पटेल ने अपनी नर्मदा परिक्रमाओं पर लिखी गई किताब 'परिक्रमा-कृपा सार' भी प्रधानमंत्री मोदी को भेंट की। प्रहलाद पटेल ने बताया कि नर्मदा परिक्रमा से जुड़े अन्य प्रसंगों पर आधारित एक दूसरी किताब भी जल्दी प्रकाशित होगी। मंत्री प्रहलाद पटेल की बेटी फलित सिंह पटेल ने नदियों का जल रखने के लिए खुद एक बॉक्स तैयार कराया। इसमें एमपी की 108 नदियों के उद्गम स्थलों के नाम और मैप पीतल से बनाया गया।

मंत्री की बेटी ने बनाया अखरोट की लड़की का बॉक्स- मंत्री प्रहलाद पटेल ने 2024 और 2025 में एमपी से निकलने वाली 108 नदियों के उद्गम स्थलों की यात्रा की। इस दौरान नदियों के उद्गम स्थलों से भरे गए जल कलशों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट करने के लिए मंत्री पटेल की आर्किटेक्ट बेटी फलित सिंह पटेल ने खुद एक बॉक्स तैयार कराया।

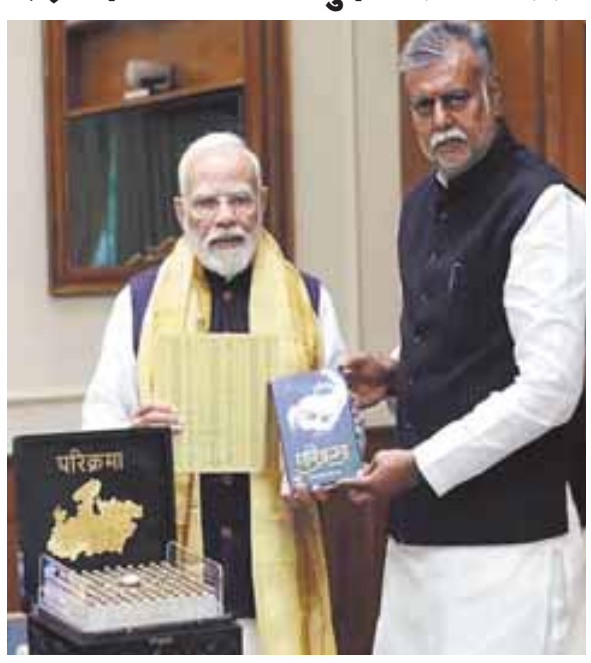

इस बॉक्स में कांच की शीशियों में 108 नदियों के उद्गमों का जल भरा गया। इस बॉक्स के कवर पर नदियों के उद्गम स्थलों का मैप और अंदर नदियों के उद्गमों के नाम लिखे गए हैं। मंत्री प्रहलाद पटेल ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ को नर्मदा परिक्रमा पर लिखी गई किताब परिक्रमा-कृपा सार भेंट की।

मंत्री बोले- दो साल में 108 नदियों के उद्गम की यात्रा की- मंत्री प्रहलाद पटेल ने बताया कि यह पुस्तक उनके दो सालों की मेहनत और साधना का परिणाम है। उन्होंने दो बार नर्मदा परिक्रमा की है। उसी अनुभव, आस्था व तपस्या को इस पुस्तक में समर्पित भाव से संजोया है।

यह पुस्तक न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि भारतीय संस्कृति में नदियों और परिक्रमा की परंपरा का भी जीवंत दस्तावेज है।

पीएम ने पटेल के आध्यात्मिक प्रयास की तारीफ की- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्री प्रहलाद पटेल के इस आध्यात्मिक प्रयास की तारीफ की और उनके समर्पण को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि परिक्रमा कृपा सार केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि मातृ नर्मदा और भारत की जल संस्कृति के प्रति श्रद्धा का साकार रूप है।

मोहन भागवत ने किया था किताब का विमोचन- प्रहलाद पटेल की पुस्तक का विमोचन पिछले महीने 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' पर इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने किया था। पीएम से मुलाकात के बाद मंत्री पटेल ने एक्स पर लिखा प्रधानमंत्री से भेंट कर 'परिक्रमा-कृपासार' और 108 नदियों के जल का संग्रह भेंट किया। यह मेरे दो वर्षों की तपस्या है। प्रधानमंत्री के स्नेह और समय के लिए आभार। यह मुलाकात सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि श्रद्धा, संस्कृति और समर्पण की भावनाओं से ओतप्रोत एक आध्यात्मिक संगम बन गई।